



The Freedom Fighter
Who Became...

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चुरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Rashtradoot

Reginald Augustus Babulal Singh was usually known simply as Lal. His father, Baboolal, was from Kanpur and his mother, Lakshmi, was from Saharanpur

The Long, Juicy Mango
with a Tiny Seed

A Forgotten Painting
Changed Everything
for Alma Greer

‘मोदी सरकार के खिलाफ धरना-प्रदर्शन अब दशहरे के बाद शुरू होंगे’

राहुल गांधी ने सुनहरी बाग स्थित निवास पर “हाई-टी” के बाद यह निर्णय लिया

—रेणु मित्तल—
—राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो—
नई दिल्ली, 13 अक्टूबर। मोदी सरकार के खिलाफ विपक्ष का मार्च दशहरे के बाद तक रोके जाने की संभावना है, ताकि विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता अपने-अपने घर लौटकर नवरात्र, दुर्गा पूजा और दशहरे का त्योहार मना सकें।

यह फैसला राहुल गांधी ने सुनहरी बाग रोड स्थित अपने आवास पर इंडिया गठबंधन के नेताओं और सांसदों के लिए आयोजित हाई टी (चाय पार्टी) के दौरान लिया।

चाय पार्टी के बाद मीडिया से बात करते हुए नेताओं ने कहा कि लोकतंत्र की बहाली, वोट चोरी के लिए सरकार

■ कांग्रेस का मानना है, कल सोमवार को आयोजित मार्च व धरना बहुत सफल रहा था। अतः, अब कार्यकर्ताओं को, नेताओं को कुछ आराम करने का मौका देना चाहिए। अतः दशहरे के बाद पार्टी के कार्यकर्ताओं और नेताओं को एकत्रित करके, दोबारा धरना-प्रदर्शन आयोजित किये जाएंगे।

■ और, तब तक यह भी आंकलन लग जाएगा कि सुप्रीम कोर्ट में दर्ज याचिका पर, सुप्रीम कोर्ट का क्या सोच है।

को जवाबदेह ठहराने और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे के मुद्दे तार्किक निष्कर्ष तक पहुंचाए जायेंगे।

कल निकाले गए मार्च और धरने को मिली बड़ी सफलता के बाद नेताओं को लगता है कि अब थोड़ा ब्रेक लेना चाहिए और दशहरे के बाद फिर से एकजुट होना चाहिए।

जस्टिस सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका पर कैसे कार्रवाई करते हैं और क्या कदम उठाते हैं।

दुर्गा-पूजा के मौसम में अदालत में भी अवकाश रहेगा।

लेकिन, अदालत में याचिका दायर करने के फैसले पर पार्टी और गठबंधन के कई नेताओं ने सवाल उठाए हैं और पूछा है कि क्या यह समझदारी भरा कदम था।

इस पर प्रतिक्रिया देते हुए राहुल गांधी ने कहा कि वे अदालत और मुख्य न्यायाधीश का बहुत सम्मान करते हैं, लेकिन वे एक राजनीतिक दल हैं और अदालत का फैसला चाहे जो भी हो, उनकी राजनीतिक लड़ाई सड़कों पर जारी रहेगी।

सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी के खिलाफ मान हानि के मुकदमे को फिलहाल स्थगित किया

सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी को चार सप्ताह का समय दिया, इस मुकदमे में अपना पक्ष प्रस्तुत करने के लिए

— जाल खंबाता —
— राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो —
नई दिल्ली, 13 अक्टूबर। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ चल रहे आपराधिक मानहानि मामले की सुनवाई पर रोक लगा दी। यह मामला राफेल फाइटर जेट डील को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ, राहुल गांधी की कथित “कमांडर-इन-थीफ” (चोरों के कमांडर) और “चोरों के सरदार” जैसी टिप्पणियों से जुड़ा है।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति अपरेश कुमार सिंह की पीठ ने राहुल गांधी की याचिका पर सुनवाई करते हुए नोटिस जारी किया और चार सप्ताह के भीतर जवाब मांगा। इस आदेश से निचली अदालत में चल रही कार्यवाही पर फिलहाल कुछ समय के लिए रोक लग गई है।

यूपीआई लेन-देन पर शुल्क का निर्णय दीवाली बाद होगा

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर। सरकार ने त्योहारी सीजन से पहले देशभर के करोड़ों यूपीआई यूजर्स और दुकानदारों को राहत देने के मकसद से यूनिकाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) के लेनदेन

■ त्योहारी सीजन में यूपीआई यूजर्स तथा दुकानदारों को राहत।

पर 15 अक्टूबर से लिए जाने वाले एमडीआर शुल्क को लागू करने का फैसला फिलहाल टाल दिया है।

यूपीआई और सर्विसेज स्टीयरिंग कमेटी ने मंगलवार को ‘एक्स’ पर जारी एक पोस्ट में बताया कि त्योहारी सीजन को ध्यान में रखते हुए फैसला किया गया है कि कुछ खास पर्सन-टू-मर्चेन्ट (पी2एम) यूपीआई लेनदेन पर 15 अक्टूबर से मर्चेन्ट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) लागू होने वाले फैसले को (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

■ सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश से “लोअर कोर्ट” में चल रही कार्यवाही पर फिलहाल रोक लग गई है।

राहुल गांधी ने बॉम्बे हाई कोर्ट के 8 सितंबर के उस आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है, जिसमें हाई कोर्ट ने आपराधिक मानहानि के मामले को रद्द करने से इनकार कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट में कांग्रेस नेता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी पेश हुए।

यह मामला सितंबर 2018 में राजस्थान में एक रैली के दौरान राहुल गांधी की कथित टिप्पणियों से जुड़ा है। उस समय राफेल सौदे को लेकर

राजनीतिक विवाद चल रहा था। शिकायतकर्ता और भाजपा कार्यकर्ता महेश श्रीश्रीमाल के अनुसार, राहुल गांधी की टिप्पणियाँ अपमानजनक थीं और उनसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा।

उन्होंने यह भी दावा किया कि इन बयानों के बाद समाचार चैनलों और सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री को ट्रोल् किया गया। शिकायतकर्ता ने इसे मानहानि का आधार बताया।

श्रीश्रीमाल का तर्क है कि प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ राहुल गांधी की टिप्पणियों, जिनमें उन्हें “चोरों का सरदार” कहना भी शामिल है, से भाजपा नागरिक को अभिवेक्षा में ले जाकर पीटना और बेहोश कर देना अक्षम्य अपराध है। सिर्फ सात पुलिसकर्मियों का (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

थाने में पिटाई के दोषियों पर कार्यवाही की 16 अक्टूबर को रिपोर्ट दें

जयपुर, 13 अक्टूबर। राज्य मानवाधिकार आयोग ने नरैना थाने में आरएसएस जिला प्रचारक की बेरहमी से पिटाई के मामले में स्वप्रेरित प्रसंज्ञान लिया है। इसके साथ ही, आयोग ने जयपुर रेंज के आईजी, जयपुर ग्रामीण एसपी तथा जिला कलेक्टर को निर्देश दिए कि वे 11 अक्टूबर सुबह 8 बजे से 12 अक्टूबर सुबह 8 बजे तक की

■ राज्य मानवाधिकार आयोग ने नरैना थाने में आरएसएस प्रचारक की पिटाई पर स्वप्रेरित प्रसंज्ञान लिया।

सीसीटीवी फुटेज, थाने का रोजनामचा, घायल की मेडिकल रिपोर्ट और पूरी तथ्यात्मक रिपोर्ट पेश करें। आयोग ने आईजी से कहा है कि किसी एसपी स्तर के अधिकारी से जांच करवाकर अपनी रिपोर्ट भी आयोग को भेजें। आयोग ने टिप्पणी करते हुए कहा कि एक सभ्य नागरिक को चोर के रूप में पेश किया गया। उनके अनुसार, इससे पार्टी और उसके कार्यकर्ताओं की छवि को नुकसान पहुंचा।

जब्त वाहन की मियाद से पहले नीलामी पर 2 लाख रूपए जुर्माना

जयपुर, 13 अक्टूबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने चोरी हुए वाहन को अवैध शराब के मामले में जब्त कर, बिना अपील की मियाद पूरी हुए, नीलाम करने के आबकारी आयुक्त के आदेश को अवैध माना है। इसके साथ ही,

■ हाई कोर्ट ने नीलामी में प्राप्त 8.03 लाख रूपए की राशि 6 प्रतिशत ब्याज सहित लौटाने के भी निर्देश दिए।

अदालत ने वाहन की नीलामी में प्राप्त राशि 8.03 लाख रूपए छह फीसदी ब्याज सहित याचिकाकर्ताओं को लौटाने के आदेश दिए हैं। अदालत ने विभाग की इस कार्रवाई को प्रताड़ना मानते हुए, दो लाख रूपए हर्जाने के तौर पर भी याचिकाकर्ता को अदा करने को कहा है। जस्टिस आनंद शर्मा ने ये आदेश राजेन्द्र सिंह भाटिया की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता हरी किशन सेनी ने अदालत को बताया कि गुराटर (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

काँकरोच जनता पार्टी, पुलिस की चौकसी तोड़ते हुए जंतर-मंतर पहुँची

काँकरोच जनता पार्टी ने बड़ा दंभपूर्ण वक्तव्य दिया कि उन्होंने पुनः जंतर मंतर पर कब्जा कर लिया है, धरने-प्रदर्शन के लिए

—डॉ. सतीश मिश्रा—
—राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो—
नई दिल्ली, 13 अक्टूबर। दिल्ली पुलिस द्वारा जंतर-मंतर को प्रदर्शन के लिए तय स्थानों की सूची से हटाए जाने के एक दिन बाद, मंगलवार सुबह काँकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के कार्यकर्ताओं ने पुलिस की घेराबंदी तोड़कर प्रदर्शन स्थल में प्रवेश किया। सुरक्षा प्रतिबंधों को चुनौती देते हुए कार्यकर्ताओं ने विरोध-प्रदर्शन की जगह पर फिर से कब्जा जमा लिया। हालांकि, इसके बाद पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया।

सौरव दास, आशुतोष रांका और अजिंक्य शिंदे के नेतृत्व में प्रदर्शनकारियों ने जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करने के लिए पुलिस की घेराबंदी पार की। हिरासत में लिए जाने के बावजूद, समूह ने दावा किया कि इस ऐतिहासिक प्रदर्शन स्थल में प्रवेश करके उन्होंने अपना उद्देश्य पूरा कर लिया है। यह घटना ऐसे समय हुई है, जब सीजेपी मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर अपना अभियान चला रही है। पार्टी ने मतदाता सूची में संशोधन के दौरान

■ उन्होंने इसी लय में आगे कहा कि सरकार द्वारा “आंदोलन को “डीनोटीफाय” करने से आंदोलन खत्म नहीं हो जाता।

■ विपक्ष के नेताओं व सीजेपी के कार्यकर्ताओं ने यह भी आरोप लगाया कि जंतर मंतर का विरोध-प्रदर्शन करने के अवसर को कम करना चाहती है।

कथित अनियमितताओं का आरोप लगाया है।

हिरासत में लिए गए कार्यकर्ताओं में शामिल दास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के जरिए जंतर-मंतर में सीजेपी के इस ग्रुप के प्रवेश को बड़ी उपलब्धि बताया।

उन्होंने लिखा, “जंतर-मंतर को फिर से हासिल कर लिया गया है। हमने जंतर-मंतर में प्रवेश किया है और अब हमें हिरासत में लिया जा रहा है। लेकिन यह हम सभी युवाओं के लिए एक संदेश है! हम यह कर सकते हैं! जानी, अब तुम्हारा खेल खत्म है, भाई!”

रांका ने प्रदर्शनकारियों के प्रवेश को सुरक्षा व्यवस्था में संध बताया। उन्होंने घोषणा की, “जंतर-मंतर के

किले की घेराबंदी तोड़ दी गई है।”

सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने भी प्रदर्शन के वीडियो और तस्वीरें साझा कीं। इनमें राष्ट्रीय ध्वज लहराते हुए रांका की एक तस्वीर भी शामिल थी।

एक अलग पोस्ट में दीपके ने पुष्टि की कि प्रदर्शन स्थल में प्रवेश करने के बाद कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया। उन्होंने जंतर-मंतर को जंतर-मंतर का आधिकारिक प्रदर्शन स्थल का दर्जा समाप्त करने से लोगों के लिए सार्वजनिक रूप से विरोध जताने के अवसर सीमित हो जाएंगे।

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के नेता जयशम रमेश ने भी इस फैसले की (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

लगातार कम हुई है। हाल ही में भाजपा

ने केन्द्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी और (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

को दिल्ली पुलिस द्वारा जारी की गई एक अधिसूचना के बाद हुई। इस अधिसूचना में जंतर-मंतर को विरोध प्रदर्शनों और धरनों के लिए आधिकारिक रूप से तय स्थानों की सूची से हटा दिया गया था।

नई व्यवस्था के तहत, रामलीला मैदान, बुराडी मैदान और पूर्वी दिल्ली के सीबोडी मैदान को प्रदर्शन के वैकल्पिक स्थलों के रूप में चिह्नित किया गया है।

यह निर्णय गृह मंत्रालय द्वारा गठित एक समिति की सिफारिशों के बाद लिया गया। समिति को उन वैकल्पिक स्थानों की पहचान करने का काम सौंपा गया था, जहां नागरिक विरोध प्रदर्शन आयोजित कर सकें।

विपक्षी नेताओं और सीजेपी कार्यकर्ताओं ने इस निर्णय की आलोचना की। उनका कहना है कि जंतर-मंतर का आधिकारिक प्रदर्शन स्थल का दर्जा समाप्त करने से लोगों के लिए सार्वजनिक रूप से विरोध जताने के अवसर सीमित हो जाएंगे।

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के नेता जयशम रमेश ने भी इस फैसले की (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कोलकाता में ममता बनर्जी पर हमले का प्रयास

कोलकाता, 13 अक्टूबर। पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर मंगलवार शाम कालीघाट स्थित उनके आवास के सामने चाकू से हमले की कोशिश की घटना सामने आई है।

तृणमूल कांग्रेस की सांसद डोला सेन ने दावा किया कि एक महिला चाकू

■ तृणमूल सांसद डोला सेन ने पुलिस को ईमेल भेज कर शिकायत की।

लेकर ममता की ओर झपटी और उनके साथ गाली-गलौज की।

महिला को पहचान तन्निषा साहा के रूप में बताई गई है। डोला ने इस मामले में कालीघाट थाने के आसी को ईमेल भेजकर शिकायत की है। घटना के बाद उसे हिरासत में ले लिया गया।

डोला सेन के अनुसार, मंगलवार शाम करीब छह बजे वे ममता बनर्जी और तृणमूल नेता वैश्वानर चट्टोपाध्याय के साथ कालीघाट मिलन संघ की दुर्गापूजा में जा रही थीं। (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

जैसे उल्टू को सूर्य नहीं दिखाई देता वैसे ही दुष्ट को सौजन्य दिखाई नहीं देता। –स्वामी भजनानंद

आरबीआई द्वारा चार साल बाद रेपोरेट बढ़ाया जाना

भारतीय रिजर्व बैंक ने पिछले हफ्ते अपनी बेंचमार्क ब्याज दर 25 बेसिस पॉइंट्स बढ़ाकर 5.50 प्रतिशत कर दी। ब्याज दर में यह बढ़ोतरी लगभग चार साल बाद हुई है। अर्थव्यवस्था पर नज़र रखने वालों को इस बढ़ोतरी की पहले से उम्मीद थी। लेकिन आरबीआई ने “कैलिब्रेटेड टाइटनिंग” की तरफ अपना रुख बदलकर सबको चौंका दिया। इससे बहुतों को लगता है कि बढ़ती महंगाई और कमजोर होती करेंसी के कारण ब्याज दर में आगे और बढ़ोतरी हो सकती है। कुछ विशेषज्ञों का तो यह भी कहना है कि आरबीआई का ब्याज दर बढ़ाने का फ़ैसला 9 से 12 महीने देर से आया है। आरबीआई को बहुत ज़्यादा मॉनिटरी एक्सपेंशन पर लगाम लगाने के लिए तेज़ी से कदम उठाने की ज़रूरत है। जिस प्रकार के वैश्विक हालात हैं उसे देखते हुए दुनिया भर के सेंट्रल बैंकों ने अपनी पॉलिसी को सख्त करना शुरू कर दिया है। आरबीआई के फैसले को इन परिस्थितियों की रोशनी में देखना उचित होगा। सितंबर में कच्चे तेल की कीमतें 14 प्रतिशत बढ़ीं। इससे भारत का इंपोर्ट बिल बढ़ सकता है, जो रुपये पर दबाव डालेगा। इससे इंपोर्टेड महंगाई बढ़ सकती है। कमजोर मॉनसून भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक और चिंता का विषय है। इस फैसले के समय बारिश में लगभग 13 प्रतिशत की कमी रही, जबकि जलाशयों में पानी का स्तर उनकी कुल क्षमता का 70.8 प्रतिशत था। यह 1० साल के औसत 80 प्रतिशत से कम है और पिछले साल के 89.5 प्रतिशत से काफी नीचे है। खरीफ की बुआई में भी 1.2 प्रतिशत की गिरावट दर्ज हुई है। चावल की बुआई में 3.7 प्रतिशत और अनाज की बुआई में 2.3 प्रतिशत की कमी बताई जा रही है। इससे खाने-पीने की चीजों की कीमतें बढ़ने का खतरा स्वाभाविक ही पैदा हो गया है। हालांकि अगस्त में महंगाई का आंकड़ा काबू में रहा है, लेकिन खाने-पीने की चीजों की महंगाई 6 प्रतिशत के करीब है और तेल की ऊंची कीमतें ट्रांसपोर्टेशन और अन्य इनपुट लागतों को बढ़ा सकती हैं। बहुतों को ऐसा लगता है कि इन दबावों के कारण वित्तीय वर्ष 26–27 की तीसरी तिमाही में रिटेल महंगाई छह प्रतिशत से ऊपर चली जाएगी। हालांकि बहुत से विशेषज्ञों का यह भी मानना है कि यह मुख्य रूप से आपूर्ति की समस्या है, जिस पर मॉनिटरी पॉलिसी का असर सीमित होता है। लेकिन जानकार लोगों का मतव्य है कि आरबीआई द्वारा बढ़ाई गई ब्याज दरें अतिरिक्त लिक्विडिटी – नकदी – ग्रीथ को सहारा दे सकती हैं। इसका मतलब है कि ब्याज दरें बढ़ाने से अर्थव्यवस्था के ग्रीथ पर पड़ने वाले असर की कुछ हद तक भरपाई हो सकती है। आरबीआई ने वित्तीय वर्ष 2027 के लिए महंगाई का अनुमान 5.1 प्रतिशत पर बरकरार रखा है, जो आरबीआई के 5 प्रतिशत के अनुमान से थोड़ा ज़्यादा है। यह ध्यान रखना ज़रूरी है कि आरबीआई को महंगाई को 4 प्रतिशत पर बनाए रखने का काम सौंपा हुआ है, जिसमें दोनों तरफ 2 प्रतिशत अंक की छूट (टॉलरेंस बैंड) शामिल है। भविष्य के बारे में आरबीआई गैरवरक का कहना है कि आगे और सख्ती कब और कितनी की जाएगी, यह महंगाई और ग्रीथ के बढ़ने पर निर्भर करेगा, खासकर कीमतों पर दबाव और स्पलाई के कितने बड़े झटके अर्थव्यवस्था पर पड़ते हैं उसे देख कर फैसले लिये जाएंगे।

हालांकि देश में आर्थिक गतिविधियां मजबूत बनी हुई हैं, फिर भी महंगाई का दबाव बढ़ गया है। अगस्त में कंज्यूमर–प्राइस महंगाई बढ़कर 4.82 परसेंट हो गई – जो लगातार तीसरे महीने आरबीआई के 4 परसेंट मीडियम–टर्म टारगेट से ज़्यादा है, जबकि गौर महंगाई बढ़कर 4.2 प्रतिशत हो गई। आरबीआई का कहना है कि महंगाई का खतरा अब उतना कम नहीं रहा जितना एक साल पहले था, और इसका कारण खाने-पीने की चीजों और इंधन की ज़्यादा कीमतें, मॉनसून में कम बारिश, अल नीनो की स्थिति और इंटरनेशनल तेल की कीमतों में नए उतार–चढ़ाव शामिल है। आरबीआई को अब उम्मीद है कि 2026–27 के वित्तीय वर्ष में हेडलाइन महंगाई औसतन 5.2 प्रतिशत रहेगी, और तीसरी तिमाही में महंगाई बढ़कर 6.0 प्रतिशत तथा चौथी तिमाही में 5.7 प्रतिशत हो सकती है। ऐसे में कुछ वित्तीय विश्लेषकों और अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं का अनुमान है कि आने वाले समय में महंगाई के दबाव

बहुत से उम्र दराज लोग अपनी जमा पूँजी बैंकों में ही जमा कराना सुरक्षित समझते हैं। यदि बैंक ब्याज दर बढ़ाते हैं तो उनकी अपनी जमाओं पर मिलने वाले ब्याज से होने वाली आय थोड़ी बढ़ जाती है। किन्तु यहां बैंकों का अपना चतुराई वाला हिसाब-किताब नज़र आता है। वे फ्लोटिंग हाउसिंग लोन की ईएमआई बढ़ा देने में तो कोई देर नहीं लगाते, किन्तु नई जमाओं पर ब्याज दर बढ़ाने में आराम से अपना समय लेते हैं। रेपो रेट बढ़ाने का मुख्य उद्देश्य देश में महंगाई (मुद्रास्फ़ीति) को नियंत्रित करना होता है।

त्योहारों के ठीक पहले, मांग की रफ्तार धीमी नहीं करेगी। अर्थशास्त्रियों का मानना था कि आरबीआई अपनी न्यूट्रल पॉलिसी का रख तो बनाए रखेगा, लेकिन सावधानी बरतेगा, क्योंकि अगस्त में हुई पिछली पॉलिसी मीटिंग के बाद से ग्लोबल और घरेलू जोखिम बढ़ गए हैं। बैंक ने कहा भी कि 4.8 प्रतिशत की हेडलाइन महंगाई दर आरबीआई की 2–6 प्रतिशत की टॉलरेंस बैंड के अंदर है, जबकि घरेलू विकास मजबूत बना हुआ है। इन सारे संकेतकों के बीच संतुलन बनाए रखते हुए आरबीआई के गौर फैसला लिया है। हालांकि कुछ लोगों का मानना है कि त्योहारों के मौसम में ब्याज दरें बढ़ाने से बचा जाना चाहिए था। पॉलिसी रेट को स्थिर रखने से बाजार के लिए एक सकारात्मक संकेत होता और इससे बॉन्ड यील्ड को कम करने में मदद मिल सकती थी। किन्तु इस सलाह के समर्थक बहुत कम हैं।

रेपो रेट बढ़ाने के तुरंत बाद रिजर्व बैंक ने शेड्यूल्ड बैंकों के लिए रोज़ाना कैश रिजर्व रेश्यो (सीआरआर) बनाये रखने की न्यूनतम ज़रूरत को भी 90 प्रतिशत से बढ़ाकर 99 प्रतिशत कर दिया है। यह बदला हुआ नियम 16 अक्टूबर, 2026 से शुरू होने वाले रिपोटिंग पखवाड़े से लागू होगा। आरबीआई का कहना है कि यह बदलाव देश की अर्थव्यवस्था में मौजूदा लिक्विडिटी की स्थिति की समीक्षा के बाद किया गया है। अभी, बैंकों को अलग-अलग दिनों में ज़रूरी सीआरआर का कम से कम 90 प्रतिशत बनाए रखने की इजाज़त है, जब तक कि पखवाड़े में रोज़ाना का औसत बैलेंस आरबीआई द्वारा तय सीआरआर स्तर से नीचे न गिर जाए। बदली हुई ज़रूरत के साथ अब बैंकों के पास अपने रोज़ाना के रिजर्व बैलेंस को मैनेज करने में काफी कम फ्लेक्सिबिलिटी होगी, क्योंकि उन्हें रिपोटिंग पखवाड़े के दौरान अपनी रोज़ाना की सीआरआर होल्डिंस्‌स को तय ज़रूरत के काफ़ी करीब रखना होगा। सीआरआर में बढ़ोतरी से आम तौर पर बैंकों को आरबीआई के पास ज़्यादा फंड रखने पड़ते हैं, जिससे उनके पास उधार देने और दूसरे इस्तेमाल के लिए कम पैसे बचते हैं। इससे बैंकिंग सिस्टम में लिक्विडिटी कम हो सकती है, बैंकों के लिए फ्रैडिंग कॉस्ट बढ़ सकती है, और अगर उनके पास इस्तेमाल करने के लिए कम फंड उपलब्ध हैं तो क्रेडिट की उपलब्धता पर असर पड़ सकता है। लेकिन, आरबीआई के नए फैसले में खास तौर पर जर्मिफम डेली मॉटेनेंस लिमिट बढ़ा दी गई है और यह अपने आप में तय सीआरआर रेट को नहीं बढ़ाता है। नए सीआरआर की व्यवस्था आरबीआई के रेपो रेट में 25 बेसिस पॉइंट की बढ़ोतरी करके इसे 5.5० परसेंट करने के एलान के कुछ ही दिनों बाद आई है। जिन आर्थिक परिप्रेक्ष्य में आरबीआई की मीट्रिक नीति आई है वह सबके सामने स्पष्ट है। इस बार मॉनसूनी बारिश पूरी नहीं होने के कारण फ़सल की पैदावार कम होने का जोखिम बना हुआ है। कच्चे तेल की अंतर्राष्ट्रीय कीमतें ऊंची बनी हुई हैं। अमेरिकी बॉन्ड यील्ड पांच प्रतिशत के पार चली गई है। भारत और अमेरिका के यील्ड (रिटर्न) के बीच अंतर कम होने से आरबीआई के लिए मौजूदा स्थिति बनाए रखना महंगा हो गया था। आम तौर पर मीडिया में आरबीआई के ऐसे फैसलों का बैंकों से उधार लेने वालों, खासकर मकान खरीदने या बनाने के लिए लिए जाने वाले कर्जों की मासिक फ़िरत पर असर को ही एकांगी रूप से देखा जाता है। मगर उसका असर बैंकों में फिक्सड डिपॉजिट (एफडी) पर भी पड़ता है, जो इस फैसले से बढ़ सकता है। बहुत से उम्र दराज लोग अपनी जमा पूंजी बैंकों में ही जमा कराना सुरक्षित समझते हैं। यदि बैंक ब्याज दर बढ़ाते हैं तो उनकी अपनी जमाओं पर मिलने वाले ब्याज से होने वाली आय थोड़ी बढ़ जाती है। किन्तु यहां बैंकों का अपना चतुराई वाला हिसाब-किताब नज़र आता है। वे फ्लोटिंग हाउसिंग लोन की ईएमआई बढ़ा देने में तो कोई देर नहीं लगाते, किन्तु नई जमाओं पर ब्याज दर बढ़ाने में आराम से अपना समय लेते हैं। रेपो रेट बढ़ाने का मुख्य उद्देश्य देश में महंगाई (मुद्रास्फ़ीति) को नियंत्रित करना होता है। ऐसा माना जाता है कि लोन महंगे होने के कारण बाजार में पैसों का फ़लो कम हो जाता है, जिससे वस्तुओं और सेवाओं की मांग घटती है और कीमतें काबू में रहती हैं।नई रेपोरेट की घोषणा हो जाने के बाद भी सबकी निगाह उन संकेतकों पर ज़रूर लगी रहेगी जो देश दुनिया की अर्थव्यवस्थाओं में उतार-चढ़ाव को दर्ज करते हैं।

—**अतिथि संपादक, राजेन्द्र बोड़ा (वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)**

राशिफल

बुधवार 14 अक्टूबर, 2026

आश्विन मास, शुक्ल पक्ष, चतुर्थी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत्–2083, अनुराधा नक्षत्र रात्रि 4:०3 तक, आयुष्मान योग रात्रि 8:39 तक, वणिज करण दिन 12:21 तक, चन्द्रमा आज बुध्रिक राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति- सूर्य-कन्या, चन्द्रमा-बुध्रिक, मंगल-कर्क, बुध-तुला, गुरु-कर्क, शुक्र-तुला, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह। आज सर्वोर्ध सिद्धि और अमृत सिद्धि योग सूर्योदय से रात्रि 4:०3 तक है। रवियोग रात्रि 4:०3 तक रहेगा। भद्रा दिन 12:21 से रात्रि 1:14 तक है। आज विनायक चतुर्थी, माना चतुर्थी है।

श्रेष्ठ चौघड़िया- लाभ अमृत सूर्योदय से 9:21 तक, शुभ 1०:47 से 12:13 तक, चर 3:०5 से 4:3० तक, लाभ 4:30 से सूर्यास्त तक।

राहुकाल- 12:०० से 1:3० तक, सूर्योदय 6:29, सूर्यास्त 5:58

मेघ चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

तुला आर्थिक कारणों से अटक हुए व्यावसायिक कार्य बनने लगेगे। आज आर्थिक मामलों में संतुलन बना रहेगा। घर-परिवार में चल रहे आपसी मतभेद दूर होंगे।

वृष परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में आपसी सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। अगर परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

वृश्चिक मानसिक तनाव दूर होगा। मनो बला-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आज आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेगे। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन स्वास्थ्य में सुधार होगा। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेगे। विवादित मामलों का निपटारा हो सकता है।

धनु पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा। मन में असंतोष बना रहेगा। अगर स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है।

कर्क व्यावसायिक कार्यों में व्यवसाय बनी रहेगी। नौकरशेरा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मकर आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ आय में वृद्धि प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए दान अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

सिंह घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

कुंभ व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक परेशानियां दूर होने लगेगी और व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले उद्देश्य प्राप्त करने में सफल हो सके। होंगे। परिजनों के सहयोग से अटके हुए कार्य बनने लगेगे। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है।

मीन नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आशासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेगे। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

आखिर पंचायती राज संस्थाओं के चुनावों की प्रक्रिया शुरू, नवनिर्वाचित होने वाले सरपंचों से दो बात



महावीर सिंह

काफी कानूनी मशक्कत के बाद, अब, राज्य सरकार ने शहरी स्थानीय निकायों के चुनाव संपन्न करवाकर, ग्राम पंचायत, पंचायत समिति और जिला परिषदों के चुनावों को संपन्न करने का चार चरणों का कार्य क्रम घोषित कर दिया और चुनावी प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। विभिन्न चरणों में ग्राम पंचायत और जिला परिषद सदस्यों के चुनाव होगा। जो मतदान दल ग्राम पंचायत मुख्यालय पर चुनाव करने जाएंगी, वह पहले दिन इबीएम से पंचायत समिति, जिला परिषद सदस्यों के लिए वोट डलवाएगा और इबीएम इनके लिए निर्धारित स्थान पर सुरक्षित पहुंचाई जाएंगी। इसके बाद दूसरे दिन मतदान दल सरपंच, पंच के लिए नामांकन पत्र प्राप्त करेंगे, जांच करेगा और अन्य समस्त कानूनी प्रक्रियाएं पूर्ण कर, बैलेट पेपर से चुनाव करने की तैयारी पूर्ण करेगा। इसके दूसरे दिन पंच, सरपंच के लिए वोट डाले जाएंगे। वोटों की गिनती वोट डालने के समय की समाप्ति के तत्काल बाद होगी। 20 से 28 नवंबर 26 के बीच प्रधान उप प्रधान, जिला प्रमुख, उप जिला प्रमुख के चुनाव संपन्न होने पर यह कार्यक्रम पूर्ण होगा।

इस बार पहली बार कुछ नई बातें भी हुई हैं। 50 प्रतिशत पंचायतों में महिला सरपंच होगी अर्थात 144०3 पंचायतों में से 72०1 में महिला सरपंच होगी क्योंकि पहली बार इन संस्थाओं में हर स्तर पर 50 प्रतिशत पद महिलाओं के लिए आरक्षित किए गए हैं। दूसरी नई बात है कि दो से अधिक वच्चे होने पर चुनाव लड़ने के लिए अयोग्यता समुपान कर दी है।

इस लेख को आगे बढ़ाने से पहले, यह बताना जरूरी है कि स्थानीय निकायों और पंचायती राज संस्थाओं के वर्तमान स्वरूप के लिए स्व. श्री राजीव गांधी, स्व. श्री पी वी नरसिम्हावर, स्व. श्री रामकृष्ण हेगड़े और समर्थक के स्व. श्री शिव शरण माधुर व अन्य कुछ लोगों ने विभिन्न प्रकार से विशेष प्रयास किए थे। श्री हेगड़े और श्री माधुर ने तो 73 वें संविधान संशोधन से पहले ही पंचायती राज संस्थाओं को सशक्त करने की

प्रक्रिया प्रारंभ कर दी थी।

वर्ष 1986 में राजीव गांधी सरकार ने एल.एम. सिंचवों की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया था। इस समिति ने पंचायती राज संस्थाओं को संवैधानिक मान्यता और सुरक्षा दिए जाने की मुख्य सिफारिश की थी। इसी क्रम में जुलाई 1989 में लोकसभा में 64वां संविधान संशोधन विधेयक पेश किया गया। यह विधेयक अगस्त 1989 में लोकसभा में पारित हो गया किंतु विधेयक राज्यसभा में पास नहीं हो सका। विपक्षी दलों ने यह कहकर इसका विरोध किया कि यह संघवाद के खिलाफ है।केंद्र सरकार के पास सत्ता के केंद्रीकरण को बढ़ावा देने वाला है। राजीव गांधी के प्रस्ताव को आधार बनाकर पी.वी. नरसिम्हा राव की सरकार के कार्यकाल में ऐतिहासिक 73वां संविधान संशोधन अधिनियम, 1992 पारित किया गया, जो देश भर में 24 अप्रैल 1993 से लागू हुआ। इसी संशोधन ने पंचायती राज संस्थाओं को वास्तविक रूप में संवैधानिक दर्जा प्रदान किया। संविधान में भाग-9 (अनुच्छेद 243 से 243-ओ) और 11वीं अनुसूची जोड़ी गई। इस संवैधानिक प्रावधान के तहत गांवों और जिलों में त्रि-स्तरीय पंचायती राज संस्थाओं का गठन किया गया। इसके तहत सरपंच (ग्राम पंचायत स्तर), प्रधान (पंचायत समिति स्तर) और जिला प्रमुख (जिला परिषद स्तर) के पदों का सृजन हुआ।

अब सरपंच, प्रधान और जिला प्रमुख के पद संवैधानिक पद हैं। ये सभी जनता द्वारा निर्वाचित होते हैं या जनता द्वारा चुने हुए सदस्यों द्वारा निर्वाचित किए जाते हैं। इन्हें संविधान से शक्ति और मान्यता मिलती है, लेकिन इनके तहत सरपंच (ग्राम पंचायत स्तर), प्रधान (पंचायत समिति स्तर) और जिला प्रमुख (जिला परिषद स्तर) के पदों का सृजन हुआ।

उपरोक्त वर्णित गणमान्य लोगों और सिविल सोसाइटी के बहुत से सक्रिय कार्यकर्ताओं को वचह से ही सरकार ने पंचायती राज संस्थाओं के नियमित चुनावों की संवैधानिक व्यव्था बनाई। हर 5 साल में चुनाव होंगे। कानून में उल्लेखनुसार केवल कुछ समय के लिए इन संपत्तियों में प्रशासक लगाए जा सकते हैं पहले की भांति 1०,15 सालों तक चुनाव ही न कराए। वित्त आयोग की व्यवस्था की गई जो राज्य सरकार को सुझा देता है कि सरकार की आय में से कितना धन पंचायती राज संस्थाओं को उनके आवश्यक कार्यों को पूरा करने के लिए दिया जाए।सरकार इन सिफारिशों और राजकीय आय को ध्यान में रख कर पंचायतीराज संस्थाओं

को बजट आवंटित करती है।

पंचायती राज संस्थाओं के सबसे निचले स्तर पर और अत्यंत महत्वपूर्ण कड़ी ग्रामपंचायत है। बहुत से प्रशासनिक व विकास के महत्वपूर्ण कामों का संपादन इसी स्तर पर होता है। ग्रामपंचायत ही ग्रामसभा आयोजित कर समिति, जिलापरिषद को अनुशंसा करती है कि कौन-कौन से काम ग्राम स्तर पर आवश्यक है और करवाए जाए।

नए बनने वाले सरपंचों को सबसे पहले भारतीय संविधान के उन प्रावधानों को अवश्य पढ़ना चाहिए जिनकी ग्रामस्तर पर पालना की जानी चाहिए। जैसे भारत के संविधान के अनुच्छेद 17 के अनुसार कोई किसी से छुआछूत का व्यवहार नहीं कर सकता। अगर पंचायत के स्थान में कोई ऐसी घटना आए तो पंचायत में प्रस्ताव लेकर दर्ज करने की कार्यवाही की जाए। एक अन्य अनुच्छेद 23 के अनुसार मानव तस्करी, बेगार प्रतिबंधित है। अनुच्छेद 25 और 51ए एक साथ पढ़ने से स्पष्ट होता है कि वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देना हर नागरिक का कर्तव्य है और अंधविश्वास समाप्त हो।

संविधान के अंतर्गत संसद व राज्य विधान सभा द्वारा कुछ कानून पारित हुए हैं जिनका ग्रामीण जात के लिए विशेष महत्व है।इन्हेंकें क्रियान्वयन में सरपंच को अत्यंत सकारात्मक भूमिका निभानी चाहिए इनमें से एक है मृत्यु भोज निवारण अधिनियम 196० । इस कानून की धारा 3 के अनुसार ऐसा भोज करना और करवाना अपराध है जिसके लिए 1 साल की सजा का प्रावधान है।ग्राम स्तर पर लगभग सभी जानते हैं कि कौन मृत्युभोज करने वाला है। सरपंच द्वारा उन्हें समझाना चाहिए कि ऐसा करना जुर्म है प्रतिबंधित है और यह अनावश्यक अंधविश्वास के कारण होता है, ऐसा ग्रामसभा प्रस्ताव पारित करे। अगर फिर भी कोई नहीं मानें तो लिखित सूचना एक्सीपम को दी जाए। इसी प्रकार का एक अन्य कानून है बाल विवाह प्रतिबंध अधिनियम। इस कानून की धारा 16 के अनुसार सरपंच बाल विवाह प्रतिबंध अधिकारी का सहयोगी है। इस प्रकार की शदी की सूचना तुरंत चाइल्ड हेल्पाइन 1०98 सूचना दी जानी चाहिए और एसडीएम को सूचना देनी चाहिए।

दहेज प्रलंबध अधिनियम के अंतर्गत ग्राम सभा में शपथ दिलाई जा सकती है कि दहेज लेना और देना बंद है। जादू टोना, पाखंड, अंधविश्वास के विरुद्ध जब जागरण अभियान चलाया जाए। इस ऐंड मैजिक एक्ट 1954 के अनुसार यदि कोई व्यक्ति जादू, टोना, अप्रमाणित दवाइयों से बीमारी

ठीक करने का ढोंग करे तो यह अपराध है और 1 साल तक की सजा है। यदि ऐसा व्यक्ति सार्वजनिक, पंचायत ग्रामपंचायत की जमीन पर अतिक्रमण कर ऐसा ढोंग करता है तो सरपंच तत्काल अतिक्रमण हटवाएं, पंचायत एक्ट की धारा 64 के अंतर्गत जुर्माना भी लगाया चाहिए। एससी, एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम 1989 के अनुसार सरपंच का यह कानून दायित्व है कि वह धारा 1०9 के अनुसार ऐसी घटना की जांचकारी संबंधित पुलिस अधिकारी को दे।

पाठक सहमत होंगे कि प्रदेश के अलग-अलग भागों में अब भी ग्रामीण भारत में मृत्यु भोज, बाल विवाह,डायन के नाम पर अत्याचार आदि आदि, कई कुरीतियां और अंधविश्वास प्रचलित है। समय और शिक्षा से जागरूकता के कारण इन में कमी जरूर आए है किंतु समाप्त नहीं हुई है। ग्रामपंचायतें इनको समाप्त करने के लिए दिल से प्रयास करें।

मै ग्राम स्तर के कई ऐसे उत्साही व्यक्तियों के संपर्क में आया हूं जो अपने स्तर पर बाल विवाह,मृत्युभोज अस्पृश्यता और अन्य कई कुरीतियों, अंधविश्वासों के विरुद्ध स्थानीय अखबारों में लिखते रहते हैं और अपने स्तर पर ही छोटे-छोटे कार्यक्रम आयोजित कर अथवा पोस्टरों द्वारा आम लोगों को इन बिंदुओं पर जागरूक करते रहते है। इन्हीं लोगों के सोशल मीडिया व अन्य तरीके से रुचिकर, ज्ञानवर्धक सूचनाएं मिलती है। उनका एक नमूना है दीवारों पर ऐसा लिखना और नारे लगवाना:-“शिक्षित समाज, नमान मुक्त गांव, समानता, संस्थान, संविधान की ताकत” सभी ग्रामपंचायतें ऐसा कर सकती हैं कोई कठिन और खर्चीला कार्य नहीं है।

सोशल मीडिया पर ही एक जागरूक ग्रामसभा द्वारा बनाए प्रस्ताव का नमूना उपलब्ध है जो इस प्रकार है :- “ग्राम पंचायत संविधान के अनुच्छेद 51ए, 234 जी की अनुसूची के क्रमांक 24,25 और पंचायती राज अधिनियम की धारा 64,92 के अनुसार सर्व सहमति से निर्णय लिया गया है:--(1) ग्राम पंचायत में मृत्यु भोज पर पूर्ण प्रतिबंध है उल्लंघन करने वालों के खिलाफ संबंधित अधिनियम के तहत कार्य बंदी होगी। (2) जिस किसी को पता चले बाल विवाह की सूचना तुरंत सरपंच को देना। (3) समस्त ग्राम पंचायत वारियों से अनुरोध है और उनका दायित्व भी है कि वे जादू टोना से इलाज, डायन अफवाह, पाखंड फैलाने वालों,1० बजे के बाद डीजे बजाने वालों का विरोध करें, ग्राम पंचायत को तत्काल सूचना दें और ग्राम पंचायत

आर्थिक आत्मनिर्भरता के बिना अधूरा है शहरी स्वशासन का सपना

उपलब्ध नहीं होने के कारण वर्तमान शहरी आबादी का सटीक आकलन कठिन है। हालांकि, जयपुर, जोधपुर, कोटा, उदयपुर, अजमेर और बीकानेर जैसे शहरों का विस्तार तथा नई आवासीय कॉलोनियां व व्यावसायिक सुविधाओं से जुड़े 18 विधायक गतिविधियों में वृद्धि नागरिक सुविधाओं की मांग बढ़ा रही है। राज्यस्थान के छठे राज्य वित्त आयोग ने वर्ष 202०–25 की अवधि के लिए नगरीय निकायों का लगभग 8,26०.61 करोड़ रुपये हस्तांतरित करने की अनुशंसा की थी। इसमें नगर निगमों के लिए 2,184.28 करोड़, नगर परिषदों के लिए 1,444.20 करोड़ और नगरपालिकाओं के लिए 4,632.13 करोड़ रुपये शामिल थे। ये आंकड़े स्थानीय निकायों की वित्तीय आवश्यकताओं के व्यापक स्वरूप को दर्शाते हैं। चुनौती केवल अधिक धन उपलब्ध करने की नहीं, बल्कि अपनी आय के स्रोतों को मजबूत करने और उपलब्ध संसाधनों का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करने की भी है।

संपत्ति कर नगरीय निकायों की आय का प्रमुख स्रोत है, लेकिन अपूर्ण रिपोर्टों और कमजोर वसूली के कारण इसकी पूरी संभावनाओं का उपयोग नहीं हो पाता। जीआईएस आधारित मैपिंग, डिजिटल सर्वेक्षण और ऑनलाइन भुगतान से कर के दायरे से बाहर संपत्तियों की पहचान तथा संग्रह दक्षता में सुधार किया जा सकता है। कर दरें बढ़ाने के बजाय कर आधार का विस्तार, बकाया वसूली और अप्रवंचना पर नियंत्रण प्राथमिकता होनी चाहिए, ताकि आम नागरिकों पर अनावश्यक बोझ न

पड़े। नगरपालिका की दुकानें, बाजार, व्यावसायिक परिसर, सामुदायिक भवन और पार्किंग स्थल नियमित रूप के महत्वपूर्ण स्रोत बन सकते हैं। संपत्तियों का डिजिटल रजिस्टर तैयार करने, किराये की नियमानुसार समीक्षा करने तथा खाली परिसरों और विज्ञापन स्थलों की पारदर्शी ई-नीलामी से राजस्व बढ़ाया जा सकता है। इसके लिए एक आर्टेन नीति, नियमित निगरानी और सार्वजनिक जवाबदेही सुनिश्चित करना जरूरी है, ताकि सार्वजनिक संपत्तियों का उपयोग निजी लाभ के बजाय शहर के हित में हो।

जयपुर, उदयपुर, जैसलमेर, पुष्कर और बीकानेर जैसे पर्यटन स्थलों पर पार्किंग, स्थानीय बाजार, हस्तशिल्प केंद्र और पर्यटक सुविधाओं का बेहतर प्रबंधन नगरीय निकायों के लिए आय के अवसर पैदा कर सकता है। पर्यटन विभाग, स्थानीय व्यापारियों और निजी क्षेत्र के सहयोग से ऐसी परियोजनाएं विकसित की जा सकती हैं। स्थानीय निकायों की आर्थिक आत्मनिर्भरता के लिए आय बढ़ाने के साथ खर्च का प्रभावी प्रबंधन और जवाबदेही भी जरूरी है। आय-व्यय, बकाया कर, संपत्तियों और विकास कार्यों का विवरण सार्वजनिक किया जाए। सरकार को प्रत्येक नगरीय निकाय की वित्तीय स्थिति और आर्थिक क्षमता के अनुरूप आय बढ़ाने के लक्ष्य तय करने चाहिए। बेहतर कर संग्रह, पारदर्शी संपत्ति प्रबंधन और निगरानी से सेवाओं में सुधार करने वाले निकायों को प्रोत्साहन दिया जाए। इसके लिए प्रशिक्षित कर्मचारी,

आधुनिक तकनीक और निर्णय लेने की पर्याप्त स्वतंत्रता भी जरूरी है। सरकारी अनुदान और वित्त आयोग के हस्तांतरण के साथ निकायों की स्वयं की आय बढ़ाने पर समान रूप से ध्यान देना होगा। नगर निगमों, नगर परिषदों और नगरपालिकाओं को केवल सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन तक सीमित रखने के बजाय स्थानीय जरूरतों के अनुसार योजनाएं बनाने, संसाधन जुटाने और उनके उपयोग के प्रति जवाबदेह संस्थाओं के रूप में विकसित करना होगा।

21वीं सदी में शहरों का सतत विकास केवल सरकारी अनुदानों के भरोसे संभव नहीं है। संपत्ति कर सुधार, सार्वजनिक और वित्त आयोग का बेहतर उपयोग, पर्यटन आधारित आय, कचरा प्रबंधन और वित्तीय अनुशासन से स्थानीय निकाय अपनी राजस्व क्षमता बढ़ा सकते हैं। आर्थिक आत्मनिर्भरता का अर्थ सरकारी सहायता समाप्त करना नहीं, बल्कि उस पर अनावश्यक निर्भरता कम करते हुए स्थानीय संसाधनों का प्रभावी उपयोग करना है। शहरी स्वशासन की वास्तविक सफलता तभी संभव है, जब नगर निकाय केवल सरकारी धन खर्च करने वाली संस्थाएं नहीं, बल्कि अपने संसाधन जुटाने, विकास को प्राथमिकताएं तय करने और नागरिकों के प्रति जवाबदेह रहने वाली आर्थिक रूप से सक्षम इकाइयां बनें। यही राजस्थान के शहरों के टिकाऊ और संतुलित विकास का आधार है।

—**डॉ. सुरेन्द्र सिंह, प्रदेश प्रवक्ता, भाजपा**



पंडित अनिल शर्मा

बुध्रिक, मंगल-कर्क, बुध-तुला, गुरु-कर्क, शुक्र-तुला, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह। आज सर्वोर्ध सिद्धि और अमृत सिद्धि योग सूर्योदय से रात्रि 4:०3 तक है। रवियोग रात्रि 4:०3 तक रहेगा। भद्रा दिन 12:21 से रात्रि 1:14 तक है। आज विनायक चतुर्थी, माना चतुर्थी है।

श्रेष्ठ चौघड़िया- लाभ अमृत सूर्योदय से 9:21 तक, शुभ 1०:47 से 12:13 तक, चर 3:०5 से 4:3० तक, लाभ 4:30 से सूर्यास्त तक।

राहुकाल- 12:०० से 1:3० तक, सूर्योदय 6:29, सूर्यास्त 5:58

मेघ चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

तुला आर्थिक कारणों से अटक हुए व्यावसायिक कार्य बनने लगेगे। आज आर्थिक मामलों में संतुलन बना रहेगा। घर-परिवार में चल रहे आपसी मतभेद दूर होंगे।

वृष परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में आपसी सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। अगर परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

वृश्चिक मानसिक तनाव दूर होगा। मनो बला-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आज आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेगे। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन स्वास्थ्य में सुधार होगा। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेगे। विवादित मामलों का निपटारा हो सकता है।

धनु पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा। मन में असंतोष बना रहेगा। अगर स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है।

कर्क व्यावसायिक कार्यों में व्यवसाय बनी रहेगी। नौकरशेरा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मकर आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ आय में वृद्धि प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए दान अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

“ प्रधानमंत्री धन-धान्य ” कृषि योजना में नागौर देश में अव्वल रहा

इस योजना के तहत देशभर में चयनित 100 जिलों में राजस्थान के भी 8 जिले शामिल हैं

-कार्यालय संवाददाता-
जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान कृषि विकास और किसान कल्याण के क्षेत्र में नई पहचान बना रहा है। प्रधानमंत्री नेन्द्र मोदी के किसानों को समृद्ध और आत्मनिर्भर बनाने के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए प्रदेश में प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। योजना के तहत देशभर में चयनित 100 जिलों में राजस्थान के आठ जिले शामिल हैं। इनमें नागौर ने फसल विविधीकरण और टिकाऊ खेती के क्षेत्र में 18.44 अंक हासिल कर देश में पहला स्थान प्राप्त किया है। समग्र प्रदर्शन में भी नागौर 84.13 अंकों के साथ देशभर में दूसरे स्थान पर है, जबकि पाली जिला 11वें स्थान पर है।
मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का कहना है कि, प्रदेश सरकार का जोर कृषि उत्पादकता बढ़ाने, किसानों की आय में सुधार, सिंचाई और भंडारण सुविधाओं को मजबूत करने तथा ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर विकसित करने पर है। प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना इन प्रयासों को गति देते हुए राजस्थान को कृषि क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

कृषि विकास के कई मानकों पर राजस्थान की उपलब्धि



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा
प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना के तहत कृषि उत्पादकता बढ़ाने, सिंचाई सुविधाओं का विस्तार करने, फसल विविधीकरण को प्रोत्साहित करने, भंडारण क्षमता मजबूत करने और किसानों को कृषि ऋण उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। नागौर ने फसल कटाई के बाद भंडारण क्षमता बढ़ाने और दीर्घकालीन कृषि ऋण की बेहतर उपलब्धता में देशभर में चौथा स्थान हासिल किया है। कृषि उत्पादकता बढ़ाने तथा बेहतर प्रशासन और सेवाओं की उपलब्धता में जिला पांचवें स्थान पर है। वहीं, सिंचाई के बुनियादी ढांचे में सुधार के क्षेत्र में पाली ने आठवां स्थान प्राप्त किया है।

जैसलमेर की पहल को मिली राष्ट्रीय पहचान

राज्य में कृषि उत्पादकता बढ़ाने, किसानों की आय में सुधार, सिंचाई-भंडारण सुविधाएं मजबूत करने तथा ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर विकसित करने पर सरकार का फोकस : मुख्यमंत्री

योजना के तहत जैसलमेर में 2,000 एकड़ क्षेत्र में एकीकृत कीट प्रबंधन आधारित जिर्रे की खेती और 500 एकड़ में सौर ऊर्जा आधारित फव्वारा सिंचाई को राष्ट्रीय स्तर पर सराहना मिली है। इससे जल संरक्षण, नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग और कृषि उत्पादकता बढ़ाने को प्रोत्साहन मिल रहा है। फसल विविधीकरण से किसानों को बाजार में कीमतों के उतार-चढ़ाव और फसल संबंधी जोखिमों से बचाव के साथ बेहतर आय के अवसर भी मिलते हैं। बाजार और दलहन जैसी पोषक फसलों का उत्पादन बढ़ने से पोषण सुरक्षा को भी मजबूती मिलती है।

36 योजनाओं के समन्वय से किसानों को लाभ

प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के साथ अन्य मंत्रालयों, नीति आयोग, नाबार्ड और राज्य

सरकार के समन्वय से 36 योजनाओं के माध्यम से काम किया जा रहा है।

इनमें पीएम-किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, पीएम-किसान मानधन योजना, पीएम-कुसुम योजना, राष्ट्रीय कृषि विकास योजना, कृषोन्नित योजना, परंपरागत कृषि विकास योजना, समेकित बागवानी विकास मिशन, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन, राष्ट्रीय सतत कृषि मिशन, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, अटल भूजल योजना, राष्ट्रीय गोकुल मिशन, राष्ट्रीय डेयरी विकास कार्यक्रम, प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना, प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, प्राथमिक कृषि साख समितियों का कम्प्यूटरीकरण और किसान क्रेडिट कार्ड सहित अन्य योजनाएं शामिल हैं।

नगरानी से बेहतर क्रियान्वयन पर जोर

योजना की निगरानी के लिए जिला स्तर पर जिला कलेक्टर और राज्य स्तर पर मुख्य सचिव की अध्यक्षता में समितियां गठित की गई हैं। राष्ट्रीय स्तर पर केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री की अध्यक्षता वाली राष्ट्रीय कार्यकारी समिति और सचिव की अध्यक्षता वाली राष्ट्रीय निगरानी समिति योजना की समीक्षा कर रही हैं। नीति आयोग के पोर्टल पर जिलों की मासिक रैंकिंग भी की जा रही है।

मुख्य सचिव ने एथेंस में भारतीय राजदूत और ईजीपीए अध्यक्ष से मुलाकात की

भारत-ग्रीस के बीच सुशासन व कार्मिक प्रशासन में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा

जयपुर (कासं)। राजस्थान के मुख्य सचिव एवं इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एडमिनिस्ट्रेटिव साइंसेज (आईआईएस) के अध्यक्ष वी. श्रीनिवास ने मंगलवार को ग्रीस की राजधानी एथेंस में भारत के राजदूत रवि शंकर और यूरोपियन ग्रुप फॉर पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन (ईजीपीए) की अध्यक्ष प्रो. डॉ. सबीने कूलमान से मुलाकात की। इन बैठकों में कार्मिक प्रशासन, सुशासन और लोक प्रशासन के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करने पर चर्चा हुई।
एथेंस स्थित भारतीय दूतावास में राजदूत रवि शंकर के साथ शिष्टाचार बैठक के दौरान भारत-ग्रीस द्विपक्षीय संबंधों को कार्मिक प्रशासन और शासन व्यवस्था के क्षेत्र में और मजबूत बनाने पर विचार-विमर्श हुआ। वहीं, ईजीपीए अध्यक्ष प्रो. डॉ. सबीने कूलमान के साथ बैठक में रोम में आयोजित ईजीपीए-2026 सम्मेलन की सफलता और उससे जुड़े आगामी



कार्यक्रमों पर चर्चा की गई। बैठक में पोप लियो चौदहवें के संदेश 'मैनिफेस्टा ह्यूमैनिटास' से जुड़े कार्यक्रमों तथा यूरोपीय लोक प्रशासन को सुदृढ़ बनाने के विषयों पर भी विचार-विमर्श हुआ। इसके साथ ही

यूरोपीय लोक प्रशासन और ईजीपीए की आगामी बैठक के एजेंडे पर भी किया विचार-विमर्श

29 अक्टूबर, 2026 को प्रस्तावित ईजीपीए संचालन समिति की बैठक के एजेंडे पर चर्चा की गई। वी. श्रीनिवास ग्रीस की चार दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर हैं। वे एथेंस में आयोजित इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ स्कूल्स एंड इंस्टीट्यूट्स ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन (आईएसआईए) के वर्ष 2026 के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग ले रहे हैं। इस दौरान वे अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों के साथ लोक प्रशासन, सुशासन और प्रशासनिक संस्थाओं के कार्यों से जुड़े विषयों पर विचार-विमर्श कर रहे हैं।

विश्वकर्मा औद्योगिक क्षेत्र के उद्यमियों को राहत दिलाने के लिए रीको ने एनजीटी में रखा वैकल्पिक प्रस्ताव

-कार्यालय संवाददाता-
जयपुर। विश्वकर्मा औद्योगिक क्षेत्र के उद्यमियों के हितों की रक्षा के लिए राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं निवेश निगम (रीको) ने राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी), भोपाल के समक्ष विविध प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किए हैं। रीको ने ग्राम बीड पापड़ की खसरा संख्या 7/2 की 2.9087 हेक्टेयर भूमि के संबंध में वैकल्पिक व्यवस्था का प्रस्ताव दिया है।

प्रस्ताव के अनुसार, रीको विश्वकर्मा औद्योगिक क्षेत्र में ही अन्य स्थान पर 2.9087 हेक्टेयर भूमि वन प्रयोजन के लिए आरक्षित करेगा। साथ

2.9087 हेक्टेयर भूमि वन प्रयोजन के लिए आरक्षित करने और वनीकरण का खर्च उठाने की पेशकश

ही, प्रस्तावित भूमि पर वनीकरण का पूरा खर्च भी रीको वहन करेगा। इसका उद्देश्य संबंधित भूमि पर संचालित औद्योगिक इकाइयों और उनसे जुड़े उद्यमियों के हितों की रक्षा करना है।
उल्लेखनीय है कि एनजीटी, भोपाल ने 16 सितंबर 2026 को कमलकांत तिवाड़ी की ओर से प्रस्तुत

आवेदन पर सुनवाई करते हुए वन विभाग को खसरा संख्या 7/2 की 2.9087 हेक्टेयर भूमि का कब्जा प्राप्त करने के निर्देश दिए थे। इस आदेश से उद्यमियों पर पड़ने वाले संभावित प्रतिकूल प्रभावों को देखते हुए रीको ने वैकल्पिक व्यवस्था का प्रस्ताव प्रस्तुत किया है।
रीको के प्रार्थना पत्र पर एनजीटी में शीघ्र सुनवाई होने की संभावना है। मामले में अपना पक्ष प्रभावी ढंग से रखने और उद्यमियों के हितों की रक्षा के लिए रीको ने अतिरिक्त महाधिवक्ता एवं वरिष्ठ अधिवक्ता की नियुक्ति भी की है।

पंचायत चुनाव के लिए 8886 कार्मिकों ने लिया प्रशिक्षण

जयपुर (कासं)। पंचायती राज आम चुनाव-2026 के सफल आयोजन के लिए 12 और 13 अक्टूबर को मतदान दलों का प्रथम चरण का प्रशिक्षण दो पारियों में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में मतदान प्रक्रिया, ईवीएम की कार्यप्रणाली, आदर्श आचार संहिता और मतदान दलों के दायित्वों की जानकारी दी गई। कार्मिकों को स्वतंत्र, निष्पक्ष, भयमुक्त और शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करने तथा अपने दायित्वों का निष्ठा एवं ईमानदारी से निर्वहन करने के निर्देश दिए गए।

प्रशिक्षण प्रकोष्ठ प्रभारी एवं अतिरिक्त जिला कलक्टर तृतीय देवयानी ने बताया कि दोनों दिनों में कुल 9,781 कार्मिकों को प्रशिक्षण के लिए बुलाया गया, जिनमें से 8,886 उपस्थित रहे और 895 अनुपस्थित रहे। 12 अक्टूबर को जयपुर शहर एवं ग्रामीण में दोनों पारियों में कुल 6293 कार्मिकों को बुलाया गया था। इनमें से 5712 उपस्थित रहे और 581 अनुपस्थित रहे। प्रथम पारी में जयपुर शहर के 1908 में से 1675 तथा

जयपुर शहर और ग्रामीण में दो दिन चला प्रशिक्षण, 895 कार्मिक अनुपस्थित

जयपुर ग्रामीण के 1645 में से 1533 कार्मिक उपस्थित रहे। दूसरी पारी में जयपुर शहर के 1108 में से 970 तथा जयपुर ग्रामीण के 1632 में से 1534 कार्मिकों ने प्रशिक्षण लिया। मंगलवार को प्रथम पारी में जयपुर शहर के 1,811 में से 1,636 तथा जयपुर ग्रामीण के 671 में से 633 कार्मिक उपस्थित रहे।
दूसरी पारी में जयपुर शहर के 910 में से 812 और जयपुर ग्रामीण के 96 में से 93 कार्मिकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण के दौरान बताया गया कि मतदान दलों की भूमिका चुनाव प्रक्रिया में महत्वपूर्ण है। सभी कार्मिकों को ईवीएम से मतदान की पूरी प्रक्रिया समझने और निर्वाचन संबंधी नियमों का पालन करते हुए बिना किसी लापरवाही के जिम्मेदारी निभाने के निर्देश दिए।

16 आरएस अधिकारियों को आईएस में पदोन्नति

जयपुर । राजस्थान प्रशासनिक सेवा (आरएसएस) के 16 अधिकारियों को भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएसएस) में पदोन्नति मिली है। केंद्रीय कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग ने 13 अक्टूबर को इस संबंध में आदेश जारी किए। पदोन्नत अधिकारियों में आरएसएस एसोसिएशन के अध्यक्ष महावीर खराड़ी सहित तीन महिला अधिकारी शामिल हैं। पदोन्नति पाने वाले अधिकारियों में 1998 बैच के 13 और 1999 बैच के तीन अधिकारी हैं। सूची में गोपाल राम बिरदा, मेघना चौधरी, ओमप्रकाश जैन, राजेश सिंह, मुकेश कुमार शर्मा, महेंद्र कुमार शर्मा, अंजू राजपाल, विवेक कुमार, मदन लाल नेहरा, दिनेश कुमार जांगिड़, पूनम प्रसाद खराड़ा, उमदेद सिंह, महावीर खराड़ी, डॉ. भागचंद बखाल, असलम शेर खान और नरेंद्र कुमार बंसल के नाम शामिल हैं। पदोन्नत अधिकारियों में महावीर खराड़ी वर्तमान में उदयपुर में जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग में अतिरिक्त आयुक्त के पद पर कार्यरत हैं। वह आरएसएस एसोसिएशन के अध्यक्ष भी हैं।

रामलीला महोत्सव : चांदपोल से न्यू गेट तक निकलेगी श्रीराम बारात

जयपुर। श्री सनातन धर्म महोत्सव समिति की ओर से न्यू गेट स्थित रामलीला मैदान में आयोजित रामलीला महोत्सव के तहत बुधवार, 14 अक्टूबर को श्री राम बारात निकाली जाएगी। यह बारात शाम 6 बजे चांदपोल बाजार स्थित प्राचीन श्री रामचंद्र जी मंदिर से रवाना होगी।

समिति अध्यक्ष नवनीत मित्तल ने बताया कि श्रीराम बारात महोत्सव का मुख्य आकर्षण रहेगी। बारात छोटी चौपड़, जिपोलिया, बड़ी चौपड़, जौधरी बाजार और बापू बाजार होते हुए न्यू गेट स्थित रामलीला मैदान पहुंचेगी। इस दौरान मार्ग में शहरवासी जगह-जगह बारात का स्वागत करेंगे। रामलीला मैदान पहुंचने पर श्री राम विवाह और कन्यादान की लीला का मंचन किया जाएगा। वहीं 20 अक्टूबर तक चलने वाले महोत्सव में रामायण के प्रमुख प्रसंगों का मंचन भी किया जाएगा।

महिला पर्यटकों की सुरक्षा के लिए जागरूकता अभियान

जयपुर। शहर में आने वाले देशी-विदेशी पर्यटकों, विशेषकर महिला पर्यटकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पर्यटक थाना पुलिस ने प्रमुख पर्यटन स्थलों पर जागरूकता अभियान चलाया। पुलिस उपायुक्त उत्तर करण शर्मा ने बताया कि शहर में चलाए गए अभियान के दौरान महिलाओं को आपात स्थिति में सहायता प्राप्त करने के लिए हेलपलाइन नंबरों और सुरक्षा ऐप की जानकारी दी गई। पुलिस मुख्यालय के कालिका पेट्रोलिंग यूनिट संबंधी निर्देशों की पालना में आमेर, जलमहल की पाल, हवा महल, जंतर-मंतर, सिटी पैलेस, नाहरगढ़ किला और पत्रिका गेट सहित प्रमुख पर्यटन स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर जागरूकता गतिविधियां की गई। पर्यटक थानाधिकारी शशिकला चौधरी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने ऑटो-रिक्शा स्टैंड पर जाकर ऑटो चालकों, महिला ऑटो चालकों, टैक्सी चालकों, होटल-रेस्तरां संचालकों और उनके कर्मचारियों से संवाद किया। इस अभियान के दौरान महिला पर्यटकों की महिला सुरक्षा हेलपलाइन नंबर 1090 और आपातकालीन पुलिस सहायता नंबर 112 की जानकारी दी गई।

जयपुर पुलिस के 6 जवानों को “ कांस्टेबल ऑफ द मंथ ” सम्मान

जयपुर। जयपुर पुलिस कमिश्नरेट में सितंबर 2026 के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले छह पुलिसकर्मियों को मंगलवार को 'कांस्टेबल ऑफ द मंथ' सम्मान से नवाजा गया।

पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने पुलिस कमिश्नरेट में आयोजित कार्यक्रम में पुलिसकर्मियों को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि उत्कृष्ट कार्यों को पहचान देने से पुलिसकर्मियों का मनोबल बढ़ता है और वे अधिक मेहनत व समर्पण के साथ जनसेवा के लिए प्रेरित होते हैं। उन्होंने कहा कि जयपुर पुलिस का ध्येय 'आमजन में विश्वास और अपराधियों में भय' की भावना को धरातल पर उतारना है। पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने बताया कि डीएसटी जिला पूर्व के कांस्टेबल हेमन्त फौजदार ने रामनगरिया थाना क्षेत्र में बैंक लूट की वारंतात का 48 घंटे में खुलासा करने में अहम भूमिका निभाई। इसके अलावा गांधीनगर थाने के एनडीपीएस प्रकरण

एलआईसी की तीन नई बीमा योजनाएं शुरू

सेवानिवृत्ति से लेकर कैंसर तक मिलेगी आर्थिक सुरक्षा



जयपुर। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं प्रबंध निदेशक आर. दोराईस्वामी ने मंगलवार को तीन नई बीमा योजनाएं शुरू कीं। इनमें न्यू जीवन धारा- (प्लान 892), हेल्थ शील्ड (प्लान 907) और न्यू कैंसर कवर (प्लान 908) शामिल हैं। इन योजनाओं के माध्यम से सेवानिवृत्ति के बाद नियमित आय, परिवार की स्वास्थ्य सुरक्षा और कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के दौरान आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने का प्रावधान किया गया है।
एलआईसी की न्यू जीवन धारा (यूआईएन: 51239801) स्थगित वार्षिकी योजना है। इसमें निर्धारित स्थान अवधि पूरी होने के बाद जीवनभर वार्षिकी भुगतान मिलेगा। पॉलिसी शुरू होने के समय ही वार्षिकी दरें सुनिश्चित होंगी। पॉलिसीधारक नियमित या एकल प्रीमियम के साथ एकल अथवा संयुक्त जीवन वार्षिकी का विकल्प चुन सकेंगे। स्थगन अवधि

में अतिरिक्त प्रीमियम देकर टॉप-अप वार्षिकी की सुविधा भी मिलेगी। नियमित प्रीमियम में स्थगन अवधि 2 से 15 वर्ष तथा एकल प्रीमियम में 1 से 15 वर्ष होगी। प्रवेश की न्यूनतम आयु 18 वर्ष और अधिकतम आयु चुने गए विकल्प के अनुसार 65 या 70 वर्ष है। हेल्थ शील्ड (यूआईएन: 51236901) के तहत अस्पताल में भर्ती रहने के दौरान प्रतिदिन निश्चित नकद लाभ तथा बड़ी सर्जरी और गंभीर बीमारियों पर एकमुश्त भुगतान मिलेगा। योजना में परिवार के सदस्यों को भी शामिल किया जा सकेगा। मुख्य बीमित व्यक्ति की प्रवेश आयु 18 से 65 वर्ष तथा बच्चों की आयु 90 दिन से 20 वर्ष निर्धारित है। पॉलिसी और प्रीमियम भुगतान की अवधि 15 वर्ष होगी। निर्धारित शर्तों के अनुसार मुख्य बीमित व्यक्ति की मृत्यु होने पर परिवार के अन्य बीमित सदस्यों को प्रीमियम माफ़ी का लाभ मिलेगा। नो-क्लेम लाभ और अतिरिक्त प्रीमियम पर राइडर के जरिए

सुरक्षा बढ़ाने का विकल्प भी उपलब्ध है। न्यू कैंसर कवर (यूआईएन: 51237001) में निर्धारित शुरुआती अवस्था के कैंसर का पता चलने पर लाफ़ बीमा राशि का 25 प्रतिशत और गंभीर अवस्था में 100 प्रतिशत भुगतान किया जाएगा। गंभीर अवस्था के कैंसर पर बीमा राशि का 1 प्रतिशत प्रतिमाह 10 वर्ष तक देने का प्रावधान है। बीमित व्यक्ति की मृत्यु होने पर नियमानुसार यह राशि नामित व्यक्ति को मिलेगी।
योजना में समान या बड़ती हुई बीमा राशि चुनने का विकल्प है। निर्धारित शर्तों के तहत कैंसर का पता चलने पर भविष्य के प्रीमियम से छूट भी मिलेगी। प्रवेश आयु 18 से 65 वर्ष और परिपक्वता आयु 28 से 75 वर्ष है। प्रीमियम भुगतान अवधि 10 से 15 वर्ष होगी। योजना के नियमों के अनुसार न्यूनतम मूल बीमा राशि 15 लाख से 35 लाख रुपये के बीच तथा सभी मौजूदा पॉलिसियों को मिलाकर अधिकतम बीमा राशि 50 लाख रुपये तक हो सकती है।

राजस्थान विश्वविद्यालय के दो कॉलेजों में महिला प्राचार्य नियुक्त

कुलगुरु प्रो. भगवती प्रसाद सारस्वत ने प्रो. सुनीता शर्मा और प्रो. प्रवीण शर्मा को सौंपी जिम्मेदारी, तीन वर्ष का होगा कार्यकाल

जयपुर । राजस्थान विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. भगवती प्रसाद सारस्वत ने राजस्थान महाविद्यालय और वाणिज्य महाविद्यालय में प्राचार्य पद पर प्रो. सुनीता शर्मा और प्रो. प्रवीण शर्मा की नियुक्ति की है। दोनों नियुक्तियां तीन वर्ष के लिए की गई हैं। वाणिज्य महाविद्यालय के लगभग 70 वर्ष के इतिहास में पहली बार किसी महिला को प्राचार्य की जिम्मेदारी मिली है। प्रो. प्रवीण शर्मा महाविद्यालय की 29वें प्राचार्य होंगे, जबकि प्रो. सुनीता शर्मा राजस्थान महाविद्यालय का नेतृत्व करेंगी।

प्रो. सुनीता शर्मा राजस्थान विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग की वरिष्ठ प्रोफेसर एवं पूर्व विभागाध्यक्ष हैं। उन्हें शिक्षण, अनुसंधान और प्रशासन का लंबा अनुभव है। वे बोर्ड ऑफ स्टडीज की संयोजक, सीनेट सदस्य तथा राजस्थान संस्कृत अकादमी की महासमिति में राज्य सरकार की ओर से नामित सदस्य रह चुकी हैं। उन्हें राजस्थान सरकार का संस्कृत विद्वत सम्मान और राजस्थान संस्कृत अकादमी का संस्कृत विदुषी सम्मान भी मिल चुका है।

वहीं प्रो. प्रवीण शर्मा वर्तमान में विश्वविद्यालय के इंग्लिश विभाग की विभागाध्यक्ष और डीन, स्टूडेंट वेलफेयर हैं। उन्हें अकादमिक एवं प्रशासनिक कार्यों का व्यापक अनुभव है।

विश्वविद्यालय के महाराजा महाविद्यालय में प्रो. सरीना कालिया, महारानी महाविद्यालय में प्रो. नूपुर माथुर और लॉ



कॉलेज में डॉ. अंजू गहलोत पहले से ही प्राचार्य की जिम्मेदारी निभा रही हैं। नवनियुक्त प्राचार्यों के सामने नियमित कक्षा संचालन, शैक्षणिक गुणवत्ता, अनुशासन, आधारभूत सुविधाओं के विकास और विद्यार्थी कल्याण को मजबूत करने की प्राथमिकताएं रहेंगी। वाणिज्य महाविद्यालय में योग एवं ध्यान, सांस्कृतिक गतिविधियां, स्पेनिश और करियर मार्गदर्शन कार्यक्रमों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। वहीं, राजस्थान महाविद्यालय में भारतीय ज्ञान परंपरा और आधुनिक शिक्षा के समन्वय को प्रोत्साहित किया जाएगा।

गहलोत चाहते हैं राहुल-खरगे की छवि धूमिल हो, ताकि उन्हें मिले कांग्रेस अध्यक्ष की कुर्सी : राठौड़

डोटासरा देख रहे हैं मुंगेरीलाल के सपने, अधिकारियों के भरोसे नहीं चलती राजनीतिक पार्टियां : भाजपा प्रदेशाध्यक्ष



भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़

जयपुर (कासं) । भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा पर निशाना साधा। उन्होंने राहुल गांधी के हालिया प्रदर्शनों के दौरान व्यवहार को अशोभनीय बताया हुए कहा कि महिला पुलिसकर्मियों और महिला पत्रकारों के साथ उनका व्यवहार चिंतामय है। नेता प्रतिपक्ष के पद की अपनी गरिमा होती है और उसके अनुरूप आचरण होना चाहिए। राठौड़ ने कहा कि भाजपा भी लंबे समय तक विपक्ष में रही, लेकिन लोकतांत्रिक मर्यादाओं और मापदंडों का पालन किया। गहलोत पर तंज कसते हुए राठौड़ ने कहा

कि कहीं वे ऐसा तो नहीं चाहते कि राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे की छवि धूमिल हो जाए, ताकि उन्हें कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष की कुर्सी मिल सके। उन्होंने कहा कि गहलोत को गलत आचरण का समर्थन करने के बजाय अपने नेताओं को सही सलाह देनी चाहिए।

डोटासरा पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि वे मुंगेरीलाल के सपने देख रहे हैं। राजनीतिक पार्टियां अधिकारियों के भरोसे नहीं, बल्कि कार्यकर्ताओं और जनधार के बल पर चलती हैं। राठौड़ ने प्रदेश की कानून-व्यवस्था पर विपक्ष के आरोपों को बेबुनियाद बताया हुए कहा कि भाजपा सरकार अपराधियों के खिलाफ निष्पक्ष

कार्रवाई कर रही है और दोषी पुलिसकर्मियों पर भी कार्रवाई की जाती है।
राठौड़ ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और भाजपा संगठन ने पंचायत चुनावों के लिए व्यापक तैयारियों की हैं। कार्यकर्ता, विधायक, सांसद और स्थानीय नेता जनता के बीच सरकार की योजनाओं और विकास कार्यों को पहुंचा रहे हैं। उन्होंने कहा कि टिकट नहीं मिलने वाले कार्यकर्ताओं को भी संगठन में उचित जिम्मेदारी दी जाएगी। भाजपा संगठन की मजबूती, कार्यकर्ताओं की मेहनत और सरकार के विकास कार्यों के आधार पर पंचायत चुनाव में बेहतर प्रदर्शन करेगी।

प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने अपने करियर की आखिरी उड़ान तेजस में भरी

भारतीय वायुसेना के प्रमुख एयर चीफ मार्शल की इस उड़ान के साथ ही जोधपुर एयरबेस पर आयोजित बहुराष्ट्रीय हवाई युद्धाभ्यास “तरंग शक्ति-2026” का भी समापन हो गया

जोधपुर, (कासं)। भारतीय वायुसेना के प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने अपने करियर की आखिरी उड़ान जोधपुर में स्वदेशी लड़ाकू विमान तेजस में भरी। एयर चीफ मार्शल की इस उड़ान के साथ ही जोधपुर एयरबेस पर आयोजित बहुराष्ट्रीय हवाई युद्धाभ्यास “तरंग शक्ति-2026” का भी समापन हो गया। एयर चीफ मार्शल एपी सिंह 31 अक्टूबर को रिटायर हो रहे हैं। एयर चीफ मार्शल आशुतोष दीक्षित भारतीय वायुसेना के नए प्रमुख का पदभार संभालेंगे।

वायुसेना प्रमुख के साथ

■ **वायुसेना प्रमुख के साथ सुखोई-30, राफेल, यूएई का फाइटर जेट एफ-16 और मिराज-200, मिग-29 विमानों ने भी आसमान में एक साथ उड़ान भरी**

■ **26 सितंबर से 12 अक्टूबर तक चले युद्धाभ्यास में अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रांस, बांग्लादेश, श्रीलंका और संयुक्त अरब अमीरात सहित आठ देशों के लड़ाकू विमानों ने हिस्सा लिया**

सुखोई-30, राफेल, यूएई का फाइटर जेट एफ-16 और मिराज-200, मिग-29 विमानों ने भी आसमान में एक साथ उड़ान भरी। भारतीय वायुसेना के सूर्यकिरण

विमानों ने भी अलग-अलग करतब दिखाए। वायुसेना ने ट्वीट किया कि स्वदेशी लड़ाकू विमान तेजस के कॉकपिट में बैठकर वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने अपने

करियर की आखिरी फाइटर सांटी पूरी की। यह उनके शानदार करियर का ऐतिहासिक पल रहा, जो उड़ान के प्रति अटूट जुनून और राष्ट्रसेवा के प्रति अडिग समर्पण से गढ़ा गया है। एक अध्याय समाप्त हो रहा है, लेकिन जुनून आज भी बरकरार है। आसमान में उड़ान का यह अध्याय भले ही समाप्त हो रहा हो, लेकिन राष्ट्रसेवा का मिशन जारी रहेगा।।

‘पावर इन पार्टनरशिप’ थी थीम :-26 सितंबर से 12 अक्टूबर तक चले युद्धाभ्यास में अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रांस, बांग्लादेश, श्रीलंका और संयुक्त अरब अमीरात

सहित आठ देशों के लड़ाकू विमानों ने हिस्सा लिया। वहीं, 40 से अधिक देशों के प्रतिनिधियों ने पर्यवेक्षक (ऑब्जर्वर) के तौर पर अभ्यास की गतिविधियों को देखा। कार्यक्रम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी शामिल हुए। भारतीय वायुसेना की ओर से आयोजित तरंग शक्ति देश का प्रमुख बहुराष्ट्रीय एयर कॉन्वेंट एक्सरसाइज है। इस वर्ष की थीम ‘पावर इन पार्टनरशिप’ थी। युद्धाभ्यास का उद्देश्य मित्र देशों की वायुसेनाओं के बीच आपसी तालमेल और परिचालन क्षमता को मजबूत करना था।

जोधपुर मंडल से संबंधित तीन ट्रेनें आज प्रभावित रहेंगी

लीलण एक्सप्रेस जैसलमेर के बजाय बीकानेर से चलेगी, सूरतगढ़-जयपुर एक्सप्रेस रद्द

जोधपुर, (कासं)। बीकानेर मंडल के लालगढ़ यार्ड में तकनीकी कार्य के चलते 14 अक्टूबर को जोधपुर मंडल से संबंधित तीन ट्रेनों का संचालन प्रभावित रहेगा। इनमें दो ट्रेनें रद्द रहेंगी, जबकि एक ट्रेन आंशिक रूप से संचालित होगी।

जोधपुर मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक हितेश यादव के अनुसार लालगढ़ यार्ड में समपार फाटक संख्या 136 पर आरसीसी बॉक्स लॉन्चिंग कार्य के लिए ब्लॉक लिया जाएगा। इसके चलते ट्रेनों के संचालन में बदलाव किया गया है। उन्होंने बताया कि ट्रेन संख्या 12467 जैसलमेर-जयपुर लीलण सुपरफास्ट एक्सप्रेस 14 अक्टूबर को जैसलमेर के बजाय बीकानेर से संचालित होगी। ऐसे में यह ट्रेन जैसलमेर से बीकानेर के बीच आंशिक रूप से रद्द रहेगी। इसी प्रकार,

■ **लालगढ़ यार्ड में तकनीकी काम के चलते तीन ट्रेनों का संचालन प्रभावित रहेगा**

फाटक संख्या 124 पर आरयूबी निर्माण के लिए 14 अक्टूबर को ब्लॉक लिया जाएगा। इसके चलते जोधपुर से संबंधित दो रेलसेवाओं का संचालन प्रभावित रहेगा। जोधपुर मंडल रेल प्रबंधक अनुराग त्रिपाठी के अनुसार कार्य के चलते ट्रेन संख्या 14824 रेवाड़ी-जोधपुर मेल एक्सप्रेस 14 अक्टूबर को रेवाड़ी के बजाय लोहारू से चलेगी। इस कारण रेवाड़ी-लोहारू के बीच यह रेलसेवा आंशिक रद्द रहेगी। वहीं, ट्रेन संख्या 22421 दिल्ली सराय रोहिल्ला-जोधपुर सालासर सुपरफास्ट 14 अक्टूबर को अपने निर्धारित मार्ग रेवाड़ी-रतनगढ़-डेगाना की जगह परिवर्तित मार्ग रेवाड़ी-रिंगस-फुलेरा-डेगाना होकर चलेगी। इस मार्ग पर ट्रेन का नारनौल, नीमकाथाना, रिंगस, फुलेरा, कुचामन सिटी और मकराना में उदहराव रहेगा।

■ **सालासर सुपरफास्ट फुलेरा के रास्ते आएगी :-**बीकानेर मंडल के लोहारू-परवेजपुर रेलखंड पर समपार

सड़क हादसे में एक की मौत

लक्ष्मणगढ़, (निर्सं)। राष्ट्रीय राजमार्ग 52 पर अलखपुरा बस स्टैंड के पास मंगलवार को रोडवेज बस और स्विफ्ट कार की भिड़त में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का जायजालिया। जानकारी के अनुसार हादसे में घायल हुए तीनों लोगों को 108 एंबुलेंस की सहायता से थानुका उप जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार कर सीकर रेफर कर दिया गया, जबकि मृतक का शव लक्ष्मणगढ़ जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। हादसे के बाद एक थैली में नकली नोट मिलने की बात भी सामने आ रही है।

झालावाड़ जिले में तैनात कांस्टेबल 13.94 लाख की नगदी के साथ गिरफ्तार

पूछताछ में कांस्टेबल द्वारा रूपयों से संबंधित कोई जबाव नहीं देने पर पुलिस ने रूपयों को जब्त कर लिया

कोटा, (निर्सं)। शहर की डीएसटी व विज्ञान नगर पुलिस टीम ने मादक पदार्थ की बिक्री की सूचना पर कार्रवाई करते हुए झालावाड़ जिले के घाटोली थाने में तैनात कांस्टेबल को 13 लाख 94 हजार 500 की नगदी के साथ डिटोन किया। पूछताछ में कांस्टेबल द्वारा रूपयों संबंधित कोई संतोषप्रद जबाव नहीं देने पर पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए रूपयों को जब्त कर एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज कर कांस्टेबल

■ **शहर की डीएसटी व विज्ञान नगर पुलिस टीम ने मादक पदार्थ की बिक्री की सूचना पर कार्रवाई की**

मनोज मालव को गिरफ्तार किया है। शहर पुलिस अधीक्षक हिमांशु ने बताया कि शहर की डीएसटी टीम को सूचना प्राप्त हुई कि झालावाड़ जिले से अवेध मादक पदार्थ स्पैक की माल डिलीवर करने कोई कांस्टेबल कोटा आया है। सूचना पर विज्ञान नगर

थानाधिकारी रामलक्ष्मण गुर्जर के नेतृत्व में पुलिस व डीएसटी टीम ने संयुक्त रूप से विज्ञान नगर इलाके में कार्रवाई करते हुए झालावाड़ जिले के घाटोली थाने में तैनात कांस्टेबल मनोज मालव को डिटोन कर थाने ले आए। कांस्टेबल के पास से 13 लाख

94 हजार 500 रूपये बरामद हुए। रूपयों के बारे में कोई संतोषप्रद जबाव नहीं देने पर पुलिस टीम ने रूपये जब्त कर एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज करते हुए कांस्टेबल मनोज मालव को गिरफ्तार किया है।

पुलिस उप अधीक्षक ने बताया कि मामले में अनुसंधान महावीर नगर थानाधिकारी हरेंद्र सिंह द्वारा किया जा रहा है, मामले में पकड़े गये कांस्टेबल से अनुसंधान जारी है।

नकली घी जब्त

टोंक, (निर्सं)। सदर थाना टोंक पुलिस टीम व जिला स्पेशल टीम ने सदर थाना क्षेत्र के ग्राम तारण पर स्थित मकान में नकली घी बनाकर बेचने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से करीबन 50 किलो ग्राम नकली घी को जब्त किया गया। नकली घी की गुणवत्ता व कार्रवाई हेतु मौके पर खाद्य सुरक्षा अधिकारियों को बुलाया जाकर गुणवत्ता की जांच कर कार्रवाई की गई। इस कार्रवाई में नकली घी बनाने वाले गिरांज यादव पुत्र भंवरलाल यादव निवासी तारण थाना को गिरफ्तार किया। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि घी के लिए कच्चा माल कहाँ से लाया गया और इसकी आपूर्ति कहाँ की जानी थी।

जीणमाता मेले में खाद्य वस्तुओं के सात सैम्पल लिए

■ **चना दाल ब्राण्ड 251 तथा बाबू ब्रांड के काजू पर रोक**

प्रयोगशाला में अनसैंफ पाया गया है। विभाग ने दो माह के लिए प्रदेश में इसके वि क्रय, वितरण, संग्रहण पर निषेध किया है।

इधर, खाद्य सुरक्षा अधिकारी फूल सिंह बाजिया, महमूद अली, नंदराम मीणा, सुशंस कुमार शर्मा, शुभम वर्मा,

सुनिता यादव, विकेश कुमार मीणा ने जीणमाता में खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान मावा, बेसन, तेल, मावा प्रसाद आदि विभिन्न खाद्य पदार्थों के सात सैम्पल लिए गए। इस दौरान दुकानदारों को खाद्य वस्तुएं ढककर रखने, आवश्यकता के अनुसार मिठाईयां आदि बनने के लिए पाबंद किया गया। विभाग की ओर से जीणमाता मेले आने वाले श्रद्धालुओं को शुद्ध व ताजा खाद्य वस्तुएं उपलब्ध हो, इसके लिए लगातार कार्रवाई की जाएगी।

सीकर जिले में एक विवाहिता और युवती लापता

सीकर, (निर्सं)। सीकर जिले में एक विवाहिता और युवती के लापता होने का मामला सामने आया है। महिला अपने घर से जेवररात और रुपए भी लेकर गई। पति ने एक युवक पर शक जताया है। पुलिस दोनों की तलाश कर रही है। विवाहिता (29) के पति ने पुलिस में शिकायत देकर बताया कि 5 अक्टूबर को वह अपने काम पर चला गया था। दोपहर करीब 1:30 बजे के लगभग उसकी पत्नी घर से करीब 50 हजार रुपए नगद और जेवररात लेकर चली गई। उस

समय घर पर 13 साल की बेटी थी। बेटी ने ही इस बारे में सूचना दी। जानकारी जुटाने पर पता चला कि एक युवक उसे अपने साथ लेकर चला गया। युवक ने फोन पर पत्नी की बात भी कराई। अब पुलिस मामले की जांच कर रही है।

वहीं 19 साल की युवती के लापता होने के केस में उसके पिता ने पुलिस में शिकायत दी है। शिकायत में बताया कि उनकी बेटी 7 अक्टूबर की सुबह कहीं पर चली गई थी, जिसकी उन्होंने तलाश की लेकिन कुछ भी पता नहीं चला।

दुष्कर्मों को सजा सुनाई

कोटा, (निर्सं)। नाबालिग बालिका से दुष्कर्म के डेढ़ साल से अधिक पुराने मामले में पाँससो फरम-3 न्यायालय ने पकड़े गये आरोपी को दोषी मानते हुए 20 साल की सजा सुनाई। साथ ही 20 हजार के अर्थ दंड से दंडित किया। विशिष्ट लोक अभियोजक महेश भंडारी ने बताया कि 24 अप्रैल 2025 को पीड़िता बालिका के पिता ने कोटा ग्रामीण के एक थाने में रिपोर्ट दी। फरियादी ने रिपोर्ट में कहा कि 17 अप्रैल को बाहर गया हुआ था, घर में पत्नी व उसकी 9 वर्षीय नाबालिग बालिका थी। रिपोर्ट में कहा कि उसकी नाबालिग बालिका पड़ोसी के घर पर गई तो पड़ोसी ने उसकी बालिका से दुष्कर्म किया। पुलिस ने फरियादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया, पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया।

कार की टक्कर से शिक्षक घायल

घायल का जयपुर में उपचार जारी

साहूदपुर, (निर्सं)। झुंगली गांव के नजदीक कार की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार एक शिक्षक गंभीर रूप से घायल हो गया। थाना अधिकारी राजेश सिहाग ने बताया कि गांव भामासी निवासी पवन कुमार ने मामला दर्ज करवाकर बताया कि उनका भतीजा सुभाष भालेरी स्थित राजकीय विद्यालय में अध्यापक के पद पर कार्यरत है। वह प्रतिदिन अपनी मोटरसाइकिल झुंगली बस स्टैंड पर खड़ी कर बस से भालेरी आता-जाता है। सात अक्टूबर को रात करीब 8:30 बजे सुभाष बस से झुंगली बस स्टैंड पर उतरा और अपनी मोटरसाइकिल लेकर गांव भामासी के लिए रवाना हुआ। इसी दौरान झुंगली से कुछ सामने से आ रही कार के चालक ने कथित तौर पर तेज गति और लापरवाही से वाहन चलाते हुए सुभाष की मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। जिसके कारण गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के तुरंत बाद उसे एक निजी अस्पताल में भर्ती करवाया, वहां चिकित्सकों ने चोटों की गंभीरता को देखते हुए उसे चूरू रेफर कर दिया। चूरू के राजकीय अस्पताल में भी हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने उसे जयपुर रेफर कर दिया, जहां उसका उपचार चल रहा है, जिसके कारण पुलिस को रिपोर्ट देने में देरी हुई। राजगढ़ थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सीकर में ऑटो पाटर्स की दुकान में आग लगने से लाखों का नुकसान

दो दमकल की मदद से आग पर काबू पाया, आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया गया है

सीकर, (निर्सं)। सीकर में एक ऑटो पाटर्स की दुकान में आग लग गई। मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस और दमकल की दो गाड़ियों ने करीब 15 मिनट में आग पर काबू पा लिया। आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट होना माना जा रहा है। जानकारी के अनुसार कोतवाली थाना इलाके में चांदपोल गेट के बाहर धोद रोड स्थित दुकान वामू ऑटो पाटर्स पर मंगलवार दोपहर करीब ढाई

बजे यह घटना हुई। मालिक अमरसिंह सिसोदिया 15 मिनट पहले ही दुकान से निकला था। वामू ऑटो पाटर्स के मालिक अमर सिंह सिसोदिया ने बताया कि मैं दोपहर को अपनी दुकान से 2:10 बजे निकला था। इसी दौरान पीछे से दुकान पर मौजूद लड़के ने मुझे आग लगने की सूचना दी। जब मैं मौके पर गया तो देखा दुकान में ऊपर के फ्लोर पर रखे प्लास्टिक के सामान और ऑटो पाटर्स में भयंकर आग लगी

हुई थी। ऐसे में मैंने इसकी सूचना पुलिस को दी। आग लगने की वजह से करीब 10 से 15 लाख का सामान जल गया।

मौके पर पहुंचे चांदपोल चौकी इंचार्ज सुभाष ने बताया कि दो दमकल की मदद से करीब 15 मिनट में आग पर काबू पा लिया गया। प्राथमिक तौर पर आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। हालांकि इस संबंध में अभी जांच जारी है।

ट्रैक्टर और ट्रक में हुई टक्कर से मार्बल मजदूर की मौत

जुगाड़ ट्रैक्टर में मार्बल भरा हुआ था, हादसे में चालक गंभीर घायल हो गया



हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई।

राजसमंद, (निर्सं)। केलवा कस्बे में जुगाड़ ट्रैक्टर और आइशर ट्रक के बीच हुई टक्कर में मार्बल मजदूर की मौत हो गई, जबकि जुगाड़ ट्रैक्टर चालक गंभीर घायल हो गया। हादसा पुलिस थाने से महज 500 मीटर की दूरी पर हुआ। जुगाड़ ट्रैक्टर में मार्बल भरा हुआ था। इसी दौरान पीछे से तेज गति से आए आइशर ट्रक ने उसे टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी

कि हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। दुर्घटना के बाद सड़क पर यातायात बाधित हो गया और वाहनों की कतारें लग गईं।

हादसे के बाद घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। दुर्घटना के चलते करीब आधे घंटे तक यातायात प्रभावित रहा। सड़क पर वाहनों की आवाजाही बाधित होने से वाहन चालकों और

राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ा। स्थानीय लोगों ने मौके पर पहुंचकर घायलों को अस्पताल पहुंचाने में मदद की। हादसे के बाद घायलों को अस्पताल पहुंचाने के लिए 108 एंबुलेंस का इंतजार किया गया, लेकिन स्थानीय लोगों के अनुसार एंबुलेंस समय पर मौके पर नहीं पहुंची। ऐसे में घायलों को टेंपो में बैठाकर अस्पताल ले जाना पड़ा।

दो पक्षों में हुई चाकूबाजी में एक गंभीर घायल

टोंक, (निर्सं)। कोतवाली थाना क्षेत्र के कम्पू की नीलकंठ कॉलोनी में सोमवार देर रात्रि को दो पक्षों में विवाद के बाद चाकूबाजी की घटना से इलाके में सनसनी फैल गई।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र के कम्पू के शंकरपुरा चौराहा (नीलकण्ठ कॉलोनी) स्थित प्रदीप शर्मा के मकान में किराये से रहे युवकों ने पार्टी के दौरान कुछ युवतियों के साथ पार्टी करने व अर्न्तगत गतिविधियों के मध्यनजर कॉलोनीवासियों ने विरोध करने पर विवाद चाकूबाजी में बदल

गया। इस हमले में घायल युवक रामेश्वर सैनी को गंभीर हालत के चलते जयपुर रेफर किया गया है। वहीं घटना के बाद मोहल्लेवासियों में आक्रोश देखने को मिला, जिसके बाद सूचना पर कोतवाली थानाधिकारी भंवरलाल वैष्णव व पुलिस थाना टीम मौके पर पहुंचे तथा इस दौरान कार्रवाई में छह युवतियों को मकान से पकड़ा है तथा दो युवकों को हिरासत में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। मामले में गम्भीर आरोपों के बीच पुलिस युवक-युवतियों से पूछताछ कर अनुसंधान कर रही है।

#THE HIDDEN CANVAS

A Forgotten Painting
Changed Everything
for Alma Greer

What had first seemed like a modest decorative item was now understood as a significant historical artwork. Eventually, the painting was sold for \$2.3 million



In a quiet home in Memphis, a chance discovery in an ordinary closet changed one family's understanding of value, history, and inheritance. Alma Greer was cleaning out her late father's belongings when she came across something unexpected, a rolled-up canvas tied with a piece of twine, hidden on a high shelf she had searched twice before.

Curious, she carefully unrolled it on her kitchen table. What she found was a moody, atmospheric landscape: a river cutting through dense trees under a muted sky. The painting carried no visible signature on the front, only the quiet presence of age and craftsmanship. At first glance, it seemed like a simple decorative piece, beautiful, but unremarkable.

Seeking clarity, Alma brought the painting to a local antique dealer in Memphis. The dealer barely studied it before dismissing it as a mid-20th-century decorative work, likely from the 1940s. He offered her \$200. Moments later, after a brief phone call, he raised his offer to \$800, smiling a little too confidently. Something about the sudden change made Alma uneasy. She declined and left with the painting.

Still uncertain but unwilling to sell quickly, she sought a second opinion. A professional conservator in Memphis examined the canvas more closely. This time, the assessment was entirely different. The painting was identified as an authentic American landscape associated with the tradition of the Hudson River School, a style known for its romantic portrayal of nature and detailed realism. Its composition and technique aligned with documented works that had passed through respected collections and auction houses over decades.

What had first seemed like a modest decorative item was now understood as a significant historical artwork.



An illustration from Singh's children's book 'Gift of the Forest.'

• Kshema Jatuhkarna

Reginald Lal Singh's most memorable screen appearance came at the very end of his acting career. In 1967, he played Captain Chandra in *Court Martial*, an episode of the original *Star Trek* series. It was a fittingly unusual final role for a man whose life had already seen adventures that rivalled the fictional worlds of Hollywood.

From the early 1950s onward, Singh appeared in a succession of Hollywood productions, usually in minor roles. He was also employed as a "technical" consultant whenever studios sought "authentic" information about the "Orient." Yet, acting was only one chapter in an eventful life that had taken him from the jungles of South America to the Indian freedom movement, from wartime rescue efforts in the Atlantic to political activism in the United States.

Much of Singh's remarkable story survives through his memoirs, preserved in the New York Public Library and through accounts written by his wife, Gwen, whose papers are held in the archives of the University of California, Los Angeles.

Childhood

Born in British Guiana (now Guyana) on August 8, 1905, Reginald Augustus Babulal Singh was usually known simply as Lal. His father, Baboolal, was from Kanpur and his mother, Lakshmi, was from Saharanpur. They had emigrated as indentured labourers to Demerara



Singh in Hitchcock's 'To Catch a Thief.'

in the 1890s to work on its sugar plantations.

Singh's father abandoned the family when he was still an infant. Years later, he learned that Baboolal had travelled to the United States and served with the American Expeditionary Forces in Europe during World War I.

Life on the plantations proved difficult for Lakshmi. She fled with her young son to Morawhanna, a port settlement in western British Guiana. There, in circumstances that would later become part of family lore, Singh was temporarily left with members of the indigenous Makushi community. According to Gwen's account, the group "spirited" him deep into the interior, up the Kaituma River and into the Amazonian rainforest.

In 1914, Lakshmi appealed to a Jesuit priest for help in finding her son. Accompanied by Arawak boatmen, the priest travelled into the jungle in search of the settlement where Singh was living.

Singh later described the encounter in vivid terms: "The priest entered the camp carrying a crucifix, a sign of peace. The Indian blowguns were pointed, at the priest's throat." Curious about the religious symbol, young Singh hurried forward, inadvertently preventing the Makushis from "taking the priest's life."

Reunited with his mother, he began his education at a mission school. Yet, the wider world exerted a powerful fascination. Ships arriving from Georgetown, stories of gold prospectors and his mother's memories of India all stirred his imagination.

A Savage Comes to Syracuse

In 1920, Baboolal wrote from Syracuse, New York, inviting Lakshmi and Singh to join him. Their arrival attracted considerable local attention from the local press. One newspaper greeted the teenager with the sensational headline "A Savage Comes to Syracuse."

An acquaintance of his father, Dr. Thomas Halstead, offered him room and board in exchange for odd jobs. The transition was difficult. Unaccustomed to snow and ice, Singh found the winters harsh and frequently arrived late to school after slipping on icy streets. Still, his hard work ensured that he passed his exams.

His parents soon separated once more. Feeling homesick, Lakshmi returned to Guyana. When Baboolal

The Freedom
Fighter Who
Became Captain
On 'Star Trek'

He joined the Indian National Congress and worked in Bengal, hoping to organise workers and rally the citizenry. But British authorities monitored his movements and, following his participation in anti-colonial protests, he was arrested and imprisoned in Madras jail for two years. The conditions in the prison were abysmal. He was confined in a cramped cell with several other prisoners and made to survive on meagre rations.

#STRANGE STORIES



died a few years later in the early 1920s, Singh found himself isolated in a foreign land.

He eventually enrolled in a medical programme at Syracuse University. The university's cosmopolitan club exposed him to students from around the world and to a wide range of political viewpoints. He wrote:

"The socialists were good bridge players; the pacifists smoked the best tobacco, and were good partners at tennis and dancing, the imperialists dressed in the best suits and were shrewd poker players. The propagandists always borrowed money, while the communists knew all the speakasies."

Of these groups, he joined the communists, whom he believed were genuinely committed to "fighting for freedom and justice." Around the same time, he began reading about India's struggle for independence and the growing influence of Mahatma Gandhi. The pull of his ancestral homeland was potent: he wanted to drop everything, including his studies, and travel to India.

During the Depression years, Singh found himself in Philadelphia. There, fortuitous circumstances led him to the president of a tannery firm trading in Indian goatskins. For a year, Singh "learnt the art of selecting skins, including a study of methods employed by Indian dealers in making bad skin look prime good skin." It was practical preparation for his "spiritual voyage" to India.



Madras was Singh's first stop in India. In the vibrant southern city, he encountered many more stories about Gandhi and the independence movement. One man who carried a photo of Gandhi in his shirt pocket, close to his heart, described how India was changing. For Singh, there was "something moving, something powerful" to hear everyone speak of a "great man in my people's country."

In a later account published in a Los Angeles newspaper, Singh added a more dramatic detail, claiming he had travelled to India carrying arms and ammunition, whose discovery might have resulted in his arrest and possible execution.

He joined the Indian National Congress and worked in Bengal, hoping to organise workers and rally the citizenry. But British authorities monitored his movements and, following his participation in anti-colonial protests, he was arrested and imprisoned in Madras jail for two years. The conditions in the prison were abysmal. He was confined in a cramped cell with several other prisoners and made to survive on meagre rations.

After his release, Singh travelled home via London, where he sought out V. K. Krishna Menon. For the next four and a half years, he worked closely with Menon's India India Welfare League and the former Ghadar movement, which he felt was no longer radical. Eventually, he relocated to San Francisco to continue his work.



worked closely with Menon's India India Welfare League and the former Ghadar movement, which he felt was no longer radical. Eventually, he relocated to San Francisco to continue his work.

During this time, he also completed a children's book, *Gift of the Forest*. Drawing on Indian family life and his experiences among the Makushi tribe in the Amazonian forest, the book evoked the cultures that had shaped his childhood. Published in New York in 1942 by Longmans, Green and Co., it was co-authored with Eloise Lowmshery and illustrated by Ann Vaughan.

Around the same time, Singh began corresponding with Georgia Lloyd, a feminist activist associated with the Campaign for World Government. Lloyd belonged to the family that owned and published the Chicago Tribune.

Rescue

While in London in 1939, Singh received an unexpected visitor: Joseph P. Kennedy Jr., eldest son of Joseph P. Kennedy, the American ambassador to Britain. Interested in India's freedom struggle, the younger Kennedy invited Singh to the embassy, where father and son encouraged him to continue his political work in the United States.

Soon afterwards, Singh embarked for America. As the ship carrying him set sail, it passed the British warship HMS Courageous that, shortly after, was struck by a



Celebrating National Dessert Day

National Dessert Day, celebrated every year on October 14, is a sweet reminder to indulge in life's delightful treats. From creamy cheesecakes and decadent chocolates to fruity tarts and warm pastries, desserts bring joy to every occasion. Beyond their irresistible taste, desserts often symbolize celebration, comfort, and togetherness, whether shared with family, friends, or savoured solo. On this day, bakers, chefs, and dessert lovers alike honour creativity and flavour, experimenting with classic recipes or trying innovative sweets. So go ahead, treat yourself to your favourite dessert, and savour the simple pleasures that make life a little sweeter.



Singh and Gwen in the city of Tyre while on a round-the-world trip.

Nazi U-boat, erupting in a tremendous explosion before sinking. Singh's ship, the Collingsworth, immediately turned around to rescue survivors. Hundreds of wounded and burned passengers were pulled from the sea. Eyewitnesses noted that Singh, using his medical training, worked tirelessly to resuscitate the rescued.

Upon returning to the US, Singh established the monthly newsletter *India News* in 1941 with financial backing from Lloyd. Operating from offices in Los Angeles and Washington, D.C., the publication advocated for Indian independence.

Throughout the 1940s, Singh travelled extensively, lecturing on Gandhi, non-violence, India's role in the Second World War and the challenges facing an independent nation. He later recalled delivering as many as 11 speeches in a day.

Political organising among Indian communities in California was challenging for him. Most Indian-origin farmers in the state's Central Valley were Punjabi speakers, creating a linguistic block in his outreach. He also found it difficult to work with Mubarek Ali Khan's India Welfare League and the former Ghadar movement, which he felt was no longer radical. Eventually, he relocated to San Francisco to continue his work.

Hollywood Stint

As editor of the India News, he generally used the name R Lal Singh. In Hollywood, however, he was often credited as Reginald Lal Singh.

His screen career began with *The Day the Earth Stood Still* (1951) and continued with *Thunder in the East* and *Storm Over Tibet* (1952). Like many Cold War productions of the era, the latter films portrayed American protagonists saving the world from the ostensible evil of communism.

In Alfred Hitchcock's *To Catch a Thief* (1955), Singh appeared briefly as a turbaned maharaja adorned with jewellery.

Other roles followed. He worked as a technical consultant, and appeared as an uncredited bearer in *Around the World in Eighty Days* (1956), and played a bartender in *Khyber Patrol* (1954) and a UN clerk in *The Bamboo Prison* (1954). His final roles were single-episode television appearances in *The Family Man* (1966) and *Star Trek*.

Following their marriage in October 1956, Singh and Gwen Mae Hobson established the India-America Society in Los Angeles. The organisation sponsored annual

India Week celebrations, drawing students, scholars and visitors interested in Indian culture. It also provided assistance to Indian students studying in California universities.

In 1964, the couple completed an ambitious journey through 29 countries. One newspaper described their lives as "an extended adventure that flows like the path of a long novel."

Their travels took them to the temples of Cambodia and the jungles of Indonesia. They were in India just as the war with China broke out. Gwen later recalled drifting on a houseboat in Kashmir and seeing the Taj Mahal on a full moon night.

Both viewed India as a nation of promise and progress. They acknowledged its challenges, particularly population pressures and uneven development, but remained optimistic about its future. They were also pleased by growing American interest in Indian clothing, music and culture. At the same time, they worried that Indian religion and philosophy were being misunderstood, particularly by the "many hippy youth."

The couple hoped to return to India, but it was not to be. Reginald Lal Singh died in 1970 at the age of 65.

His life defied easy categorisation. He was at various times a jungle child, medical student, political activist, prisoner, author, lecturer, editor, wartime rescuer, cultural ambassador and Hollywood actor. Few people travel so far, geographically or intellectually, in a single lifetime.



R. Lal Singh.

#CHILLI MANGO

The Long, Juicy
Mango with a
Tiny Seed

The fruit develops into a long, slender shape rather than the familiar broad mango form. This unusual appearance has made it particularly interesting

Mangoes come in an astonishing variety of shapes, sizes, colours, textures, and flavours. Among the more unusual varieties is the Chilli Mango, a mango that immediately catches the eye because of its distinctive elongated shape. Slender and curved, the fruit can resemble a large green or red chilli, hence its unusual name.

Unlike the traditional round or oval mango, the Chilli Mango is long and narrow, making it instantly recognisable. It is also known for its juicy flesh and remarkably small or thin seed, which means that a greater proportion of the fruit can be enjoyed as pulp. Some descriptions of the variety note its sweet and tangy flavour and aromatic flesh.

A Mango That Looks Like a Chilli

The most striking feature of this mango is its form.

The fruit develops into a long, slender shape rather than the familiar broad mango form. This unusual appearance has made it particularly interesting to mango collectors and growers looking for distinctive varieties. Indian plant sellers currently market chilli mango plants as a specialty variety suited to warm Indian conditions.

But the unusual appearance is only part of its appeal.

Cut open, the fruit reveals soft, juicy flesh, surrounding a very small, thin seed. This is particularly attractive to people who prefer mangoes with a high flesh-to-seed ratio. Descriptions of chilli mangoes from Asian sources similarly highlight their small seeds and abundant edible flesh.

Juicy, Sweet and Tangy

The flavour of chilli mango is another reason it stands apart. Although the name suggests



heat, the fruit itself is not necessarily spicy like a chilli. Rather, descriptions of the variety associate it with sweetness, juiciness and a pleasant tang or zestiness. Some growers and sellers describe the flavour as sweet with a mild chilli-like sharpness. This combination gives the fruit a refreshing character. It can be eaten fresh, enjoyed as a snack, or used in preparations where the natural sweetness and tang of mango are desirable.

From Asia to India

Chilli Mango is associated with Asian mango-growing regions, and varieties described by this name are now also being cultivated and sold in India.



There is some inconsistency in available descriptions about its precise origin: some Indian sources describe it as an Indian-developed or cultivated variety, while others identify it as an introduction from Thailand or associate similar chilli-shaped mangoes with China and other parts of Asia.

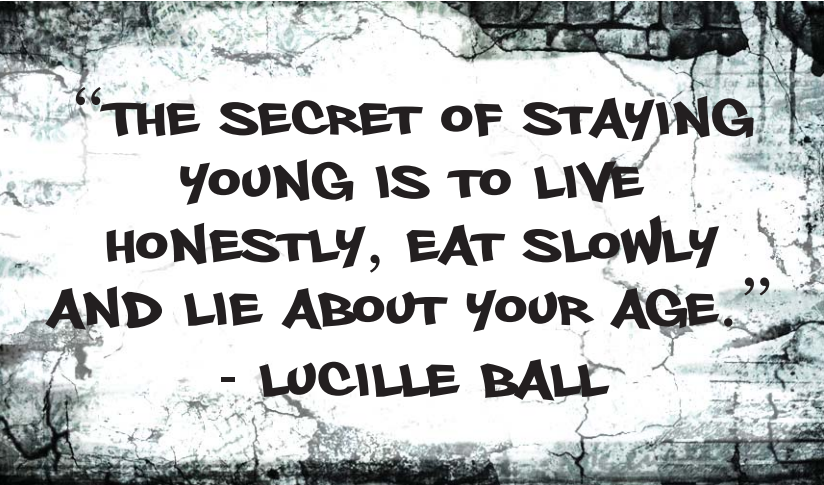
What is clear is that the fruit has found interest among Indian growers, particularly as a specialty mango variety. Plants are now offered for cultivation in India, with sellers highlighting their suitability for warm and tropical or semitropical climates.

A Curiosity for Mango Lovers

India already has an extraordinary collection of mango varieties, from Alphonso and Dasher to Langra, Kesar, Banganapalli and many lesser-known regional varieties. Chilli mango adds another fascinating shape to this diversity.

Its appeal is not necessarily that it replaces the classic mangoes. Instead, it offers something different: an unusual shape, juicy flesh, a tiny seed, and a distinctive sweet-tangy taste. It is a reminder that the world of mangoes is much larger than the familiar varieties found in ordinary fruit markets.

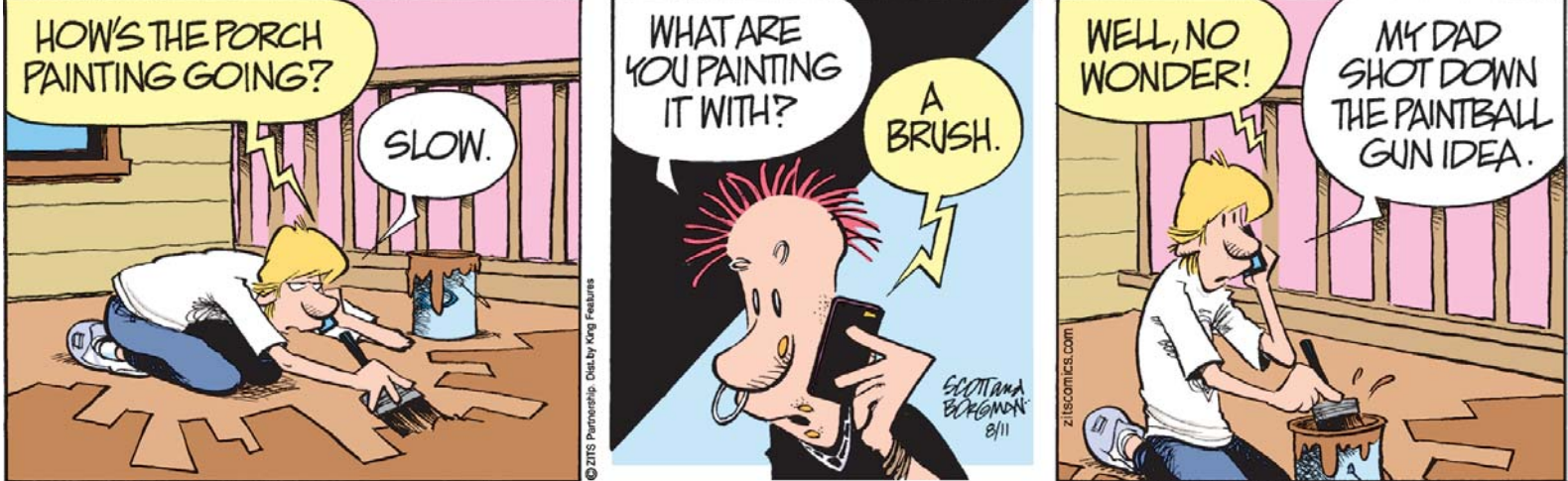
THE WALL



BABY BLUES



ZITS



By Rick Kirkman & Jerry Scott

By Jerry Scott & Jim Borgman

खेतड़ी के बांसियाल में स्कूल भूमि के वर्षों पुराने विवाद का समझाइश से समाधान हुआ

स्कूल की चारदीवारी का रास्ता साफ, भामाशाहों ने विद्यालय के नाम की जमीन

खेतड़ी, (निसं)। खेतड़ी उपखंड के बांसियाल स्थित शहीद महावीर प्रसाद गुर्जर राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के पीछे स्थित भूमि को लेकर लंबे समय से चला आ रहा विवाद स्कूल प्रशासन की पहल पर सुलझ गया। विवाद का समाधान होने के बाद विद्यालय की चारदीवारी निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है। इससे विद्यालय की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूती मिलने के साथ ही लंबे समय से लंबित निर्माण कार्य भी आगे बढ़ सका है।

विद्यालय के प्रधानाचार्य दीपचंद छावड़ी ने बताया कि विद्यालय के पीछे स्थित भूमि को लेकर काफी समय से विवाद चल रहा था। स्कूल स्टाफ के सहयोग और आपसी समझाइश से संबंधित पक्षों के बीच सहमति बनी और मामले का समाधान हो गया। इसके बाद भामाशाह हेमराज और सुरेश खटाणा ने भूमि विद्यालय के नाम कर दी। साथ ही चारदीवारी निर्माण के लिए 21 हजार रुपये का आर्थिक सहयोग भी प्रदान किया। विद्यालय की चारदीवारी निर्माण के लिए ग्रामीणों और भामाशाहों ने आर्थिक सहयोग देकर सामाजिक सरोकार की मिसाल



विद्यालय स्टाफ ने सहयोग करने वाले भामाशाहों का माल्यार्पण कर सम्मान किया।

पेश की। सहयोग देने वालों में प्रकाश बरवड़ ने 21 हजार रुपये, मदनलाल बोहरा और रघुवीर सिंह कटारिया ने 11-11 हजार रुपये, युवा टीम के अशोक खटाणा, जगत खटाणा और सुरेंद्र खटाणा ने 11 हजार रुपये तथा सुरेंद्र खटाणा और सुदेश खटाणा ने 5,100-5,100 रुपये का

सहयोग दिया।

प्रधानाचार्य दीपचंद छावड़ी ने बताया कि विद्यालय की चारदीवारी निर्माण कार्य शुरू करवाने में पूरनमल कसाना, अशोक खटाणा, छात्रसंघ उपाध्यक्ष जगत खटाणा, समाजसेवी सुरेंद्र खटाणा और सुदेश खटाणा का विशेष योगदान रहा। ग्रामीणों और

भामाशाहों के सामूहिक प्रयासों से विद्यालय में लंबे समय से लंबित चारदीवारी निर्माण कार्य शुरू हो सका। इस अवसर पर प्रधानाचार्य ने कहा कि सरकारी संस्थाओं के विकास और जीर्णोद्धार में भामाशाहों का सहयोग बेहद महत्वपूर्ण है। समाज के सक्षम लोगों को शिक्षा संस्थानों के विकास

- ग्रामीणों और भामाशाहों के सामूहिक प्रयासों से विद्यालय में लंबे समय से लंबित चारदीवारी निर्माण कार्य शुरू हो सका**

में आगे उठना चाहिए। सरकारी संस्थाओं के आना में योगदान देने वाले भामाशाहों का सम्मान कर उन्हें प्रोत्साहित करना भी जरूरी है, ताकि दूसरे लोग भी जनहित के कार्यों में भागीदारी के लिए प्रेरित हों। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय स्टाफ की ओर से सहयोग करने वाले भामाशाहों का माल्यार्पण कर सम्मान किया गया। इस मौके पर उपप्रधानाचार्य राजेंद्र, शक्तिसिंह, सत्यपाल, अनिल, धर्मवीर, शीशराम, विक्रम, विश्वप्रकाश, सोहनलाल, धर्मपाल, आनंद कुमार, विजय योगी, प्रकाश बरवड़, सुनील कुमार और रघुवीर सिंह कटारिया सहित अन्य ग्रामीण एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे।

खैरथल जिले में दो मेडिकल स्टोर के लाइसेंस निलंबित

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी की शिकायत पर औषधि विभाग ने कार्रवाई की

किशनगढ़ बास, (निसं)। खैरथल जिले में औषधि विभाग ने दो मेडिकल स्टोरों के लाइसेंस निलंबित किए हैं। इसमें मुंडावर के सपना मेडिकल का लाइसेंस 15 दिन और भिवाड़ी के शिव मेडिकल का 10 दिन के लिए सस्पेंड किया गया है। यह कार्रवाई बिना फार्मासिस्ट दवा बेचने और रिकॉर्ड में गड़बड़ी पर मिलने पर की है। अनुज्ञापन प्राधिकारी एवं सहायक औषधि नियंत्रक नरोत्तम देव बारोटिया ने यह आदेश जारी किए हैं।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी खैरथल-तिजारा से प्राप्त शिकायत के क्रम में 10 सितंबर को औषधि नियंत्रण अधिकारी द्वारा मुंडावर स्थित मैसर्स सपना मेडिकल स्टोर का निरीक्षण किया गया था। निरीक्षण के दौरान मौल औषधि अनुज्ञापत्र प्रदर्शित नहीं होना, निरीक्षण पुस्तिका का संधारण नहीं करना, पंजीकृत फार्मासिस्ट की अनुपस्थिति में

- यह कार्रवाई बिना फार्मासिस्ट दवा बेचने और रिकॉर्ड में गड़बड़ी पर मिलने पर की है**

औषधियों का विक्रय, बिना कैश मेमो बिक्री, शेड्यूल 1 रजिस्टर अद्यतन नहीं होना तथा खरीद बिल व्यवस्थित रूप से संचारित नहीं करना जैसी गंभीर अनियमितताएं पाई गईं। कुछ औषधियों के विक्रय संबंधी विवरण मांगने पर भी प्रस्तुत नहीं किए गए।

फर्म को कारण बताओ नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण का अवसर दिया गया, लेकिन निर्धारित अवधि में कोई जवाब प्राप्त नहीं हुआ। इस पर फर्म का औषधि अनुज्ञापत्र 27 अक्टूबर से 10 नवंबर 2026 तक 15 दिन के लिए निलंबित किया गया है।

इसी प्रकार औषधि नियंत्रण

अधिकारी विष्णु कुमार शर्मा द्वारा भिवाड़ी स्थित मैसर्स शिव मेडिकल स्टोर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में औषधि अनुज्ञापत्र प्रमुख स्थान पर प्रदर्शित नहीं पाए गए तथा निरीक्षण पुस्तिका (फॉर्म-35) उपलब्ध नहीं मिली। इसके अतिरिक्त अनुमोदित पंजीकृत फार्मासिस्ट की अनुपस्थिति में दवाओं का विक्रय, नियमित विक्रय बिल जारी नहीं करना, शेड्यूल 1 रजिस्टर प्रस्तुत नहीं करना तथा क्रय बिल दिनांकवार संचारित नहीं करना जैसी अनियमितताएं सामने आईं।

निरीक्षण के दौरान औषधियों के विक्रय संबंधी विवरण भी मांगने पर प्रस्तुत नहीं किए गए। कारण बताओ नोटिस के जवाब और निरीक्षण रिपोर्ट के परीक्षण के बाद अनियमितताएं प्रमाणित होने पर फर्म के दोनों औषधि अनुज्ञापत्र 27 अक्टूबर से 5 नवंबर तक 10 दिन के लिए निलंबित करने का निर्णय लिया गया।

किशनगढ़ में अधिवक्ता से हुई मारपीट एवं दुर्व्यवहार पर जोधपुर में रोष जताया

जोधपुर, (कासं)। ऑल इंडिया लॉयर्स यूनियन (एआईएलयू) जोधपुर ने अजमेर जिले के किशनगढ़ में अधिवक्ता बाबूलाल बागरिया के साथ ट्रैफिक डीएसपी अंजू यादव द्वारा थपड़ मारने एवं दुर्व्यवहार किए जाने की घटना की कड़े शब्दों में निंदा की है। यूनियन ने इस घटना को अधिवक्ता समुदाय के सम्मान, गरिमा एवं सुरक्षा पर गंभीर हमला बताते हुए संबंधित पुलिस अधिकारी को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने तथा मामले की उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष जांच करवाने की मांग की है। इन मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा गया।

एआईएलयू के जिलाध्यक्ष एडवोकेट पीआर

- ऑल इंडिया लॉयर्स यूनियन जोधपुर ने संबंधित पुलिस अधिकारी को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने तथा मामले की जांच करवाने की मांग की**

मेघवाल एवं जिला सचिव एडवोकेट महिपाल सिंह ने कहा कि 9 अक्टूबर को किशनगढ़ के मदनगंज थाना क्षेत्र में वाहन पार्किंग को लेकर हुए विवाद के दौरान ट्रैफिक डीएसपी अंजू यादव द्वारा अधिवक्ता बाबूलाल बागरिया को थपड़ मारने एवं उनके साथ अभद्र

व्यवहार किए जाने की घटना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय है। उन्होंने कहा कि अधिवक्ता न्याय व्यवस्था का अभिन्न अंग हैं। अधिवक्ता संविधान, कानून और नागरिकों के अधिकारों की रक्षा के लिए न्यायालयों में संघर्ष करते हैं। किसी अधिवक्ता के साथ इस प्रकार का व्यवहार केवल एक व्यक्ति का अपमान नहीं, बल्कि संपूर्ण अधिवक्ता समुदाय की गरिमा एवं स्वतंत्रता पर हमला है। एआईएलयू ने राजस्थान सरकार से मांग की है कि अधिवक्ता बाबूलाल बागरिया के साथ हुई घटना की उच्चस्तरीय, निष्पक्ष एवं समयबद्ध जांच करवाई जाए तथा जांच पूरी होने तक संबंधित डीएसपी अंजू यादव को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाए।

किरायेदारी को लेकर हाईकोर्ट का फैसला, मकान मालिक को राहत दी

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने किरायेदारी और दुकान खाली कराने से जुड़े एक महत्वपूर्ण मामले में स्पष्ट किया है कि यदि कोई व्यक्ति अपने पिता या भाई के साथ पारिवारिक कारोबार में काम कर रहा है, तो केवल इस आधार पर उसकी स्वतंत्र व्यवसाय स्थापित करने की वास्तविक और सद्भाविक आवश्यकता को खारिज नहीं किया जा सकता। इसी के साथ जस्टिस फरजंद अली की एकलपीट ने भारत कुमार की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए क्रियाया अधिकरण, जोधपुर मेट्रो के 27 मई 2011 के आदेश और अपीलीय क्रियाया अधिकरण के 22 मई 2015 के आदेश को निरस्त करने का आदेश दिया। दोनों अधीनस्थ अधिकारों ने मकान मालिकों की बेदखली याचिका खारिज कर दी थी।

राजस्थान हाईकोर्ट ने कहा कि किसी व्यक्ति के पास आजीविका का मौजूदा साधन होना और उसके पास अपना स्वतंत्र व्यावसायिक प्रतिष्ठान

- याचिकाकर्ता और पत्नी ने किरायेदारों को बेदखल करने की मांग करते हुए याचिका दायर की थी**

उपलब्ध होना दो अलग-अलग बातें हैं। मुकदमे के लंबित रहने के दौरान व्यक्ति से बेरोजगार रहने की अपेक्षा भी नहीं की जा सकती। पारिवारिक कारोबार में काम करना स्वतंत्र व्यवसाय स्थापित करने में होने वाली देरी के कारण किसी मकान मालिक को अपनी आजीविका और व्यावसायिक आकांक्षाओं को अनिश्चितकाल तक रोककर रखने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता।

मामला जोधपुर के रेलवे स्टेशन रोड स्थित एक किराये की दुकान से जुड़ा है। याचिकाकर्ता भारत कुमार और उनकी पत्नी चंद्रा दुकान के मालिक एवं

मकान मालिक थे। उन्होंने राजस्थान क्रियाया नियंत्रण अधिनियम, 2001 की धारा 9 के तहत किरायेदारों को बेदखल करने की मांग करते हुए याचिका दायर की थी। मकान मालिकों का कहना था कि उन्हें सिलाई मशीनों, इलेक्ट्रॉनिक सामान, उपहार सामग्री और संबंधित वस्तुओं का अपना कारोबार शुरू करने के लिए विवादित दुकान की वास्तविक एवं सद्भाविक आवश्यकता है। उनका यह भी कहना था कि किरायेदार अन्य परिसरों से अपना कारोबार संचालित कर रहे हैं। हालांकि, क्रियाया अधिकरण ने 27 मई 2011 को बेदखली याचिका खारिज कर दी। इसके बाद मकान मालिकों ने अपील दायर की, लेकिन अपीलीय क्रियाया अधिकरण ने भी 22 मई 2015 को अपील खारिज करते हुए पूर्व आदेश को बरकरार रखा। इसके बाद दोनों आदेशों को राजस्थान हाईकोर्ट में चुनौती दी गई। हाईकोर्ट ने मामले के रिकॉर्ड का परीक्षण करते हुए पाया कि निचले अधिकरण ने इस तथ्य

को प्रमुख आधार बनाया था कि भारत कुमार याचिका दायर करने से पहले और मुकदमे के लंबित रहने के दौरान अपने पिता के साथ दूसरी दुकान में कारोबार कर रहे थे। इसी आधार पर उनकी स्वतंत्र दुकान की आवश्यकता को वास्तविक नहीं माना गया था। जस्टिस फरजंद अली ने इस दृष्टिकोण से असहमति जताते हुए कहा कि पिता के साथ काम करना इस बात का प्रमाण नहीं है कि संबंधित व्यक्ति के पास अपना स्वतंत्र और उपयुक्त व्यावसायिक प्रतिष्ठान भी उपलब्ध है। कोई व्यक्ति अपने पिता या भाई के कारोबार में बताया कि वह अनुभव प्राप्त कर सकता है और साथ ही अपना अलग व्यवसाय स्थापित करने की वास्तविक इच्छा भी रख सकता है। हाईकोर्ट ने यह भी कहा कि संबंधित दुकान के संबंध में याचिकाकर्ता का पारिवारिक कारोबार से जुड़ाव और दुकान पर सह-स्वामित्व का दावा, अपने आप में, विवादित दुकान की स्वतंत्र व्यावसायिक आवश्यकता को समाप्त नहीं करता।

‘चिकित्सा क्षेत्र सहित मानव जीवन के विभिन्न पहलुओं को प्रभावित करेगा एआई’

जोधपुर में एसएन मेडिकल कॉलेज में ‘एआई इनोवेशन मेडिकल हैकाथॉन’ का शुभारंभ हुआ

जोधपुर, (कासं)। डॉ. एसएन मेडिकल कॉलेज में मंगलवार को एआई इनोवेशन मेडिकल हैकाथॉन का शुभारंभ हुआ।

केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस अवसर पर शेखावत ने अपने संबोधन में कहा कि अगले पांच वर्षों में तकनीक के क्षेत्र में पिछले एक दशक की तुलना में हजार गुना अधिक बदलाव हो सकते हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) चिकित्सा क्षेत्र सहित मानव जीवन के विभिन्न पहलुओं को प्रभावित करेगा। ऐसे में तकनीक के इस्तेमाल का उद्देश्य मानव जीवन को बेहतर बनाना और चिकित्सा सेवाओं को समाज के हर वर्ग तक पहुंचाना होना चाहिए।

‘एआई इनोवेशन मेडिकल हैकाथॉन’ के शुभारंभ के अवसर पर केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री शेखावत ने कहा कि तकनीक जिस तेजी से विकसित हो रही है, उससे आने वाले समय में अधिक बदलाव देखने के हर वर्ग तक पहुंचना होना चाहिए।

‘एआई इनोवेशन मेडिकल हैकाथॉन’ के शुभारंभ के अवसर पर केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री शेखावत ने कहा कि तकनीक जिस तेजी से विकसित हो रही है, उससे आने वाले समय में अधिक बदलाव देखने के हर वर्ग तक पहुंचना होना चाहिए।

कोटा, (निसं)। एसीबी न्यायालय ने रिश्तत मांगने के करीब 16 साल पुराने मामले में सुनवाई करते हुए बुंदी जिले के सुवासि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के तत्कालीन चिकित्सा अधिकारी डॉ. गौरव मुंदड़ा को दोषी मानते हुए 3 साल की सजा सुनाई है।

सहायक निदेशक अभियोजन जया गौतम ने बताया कि परिवर्तित जगदीश शर्मा ने मई 2010 में एसीबी कोटा में शिकायत दी थी। शिकायत में बताया कि उसके चाचा रामलक्ष्मण सुवासि गांव में मेडिकल स्टोर संचालित करते हैं, जहां वह फार्मासिस्ट के रूप में काम करता था, शिकायत में कहा कि बुंदी जिले के सुवासि चिकित्सा अधिकारी डॉ. गौरव मुंदड़ा ने मरीजों को रूपीथर और कॉन्ट्रिक्स इंजेक्शन लिखने के बदले कमीशन मांगा था। डॉक्टर ने प्रति रूपीथर इंजेक्शन 10 रुपए और कॉन्ट्रिक्स इंजेक्शन के लिए 14 रुपए कमीशन तय किया था।

झुंझुनूं में बड़ी वारदात की फिराक में पंडित का गिरोह, साथी भी गिरफ्तार
खेतड़ी, (निसं)। झुंझुनूं जिले में आगामी पंचायतीराज चुनावों के महेंदरपुर पुलिस ने अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। सिंघाना पुलिस और जिला स्पेशल टीम (डीएसटी) ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार बदमाश कपिल पंडित के सहयोगी मनोज कुमार को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, कपिल पंडित और उसके साथी झुंझुनूं में बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में थे। गिरफ्तार मनोज कुमार सोशल मीडिया पर हथियारों के साथ फोटो और

पूर्व विधायक अतरसिंह भड़ाना पर हमले के मामले में चार आरोपी गिरफ्तार

घटना में इस्तेमाल वाहन जब्त, पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है

जयपुर/भरतपुर। भरतपुर जिले के बयाना के पूर्व विधायक अतर सिंह भड़ाना पर खनन पट्टे पर हुए हमले के मामले में पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने घटना में इस्तेमाल किए गए वाहनों को भी जब्त किया है। मामले में अन्य आरोपियों की भूमिका और घटना में शामिल लोगों की पहचान के लिए जांच जारी है।

भरतपुर पुलिस अधीक्षक राजेश मोघा ने बताया कि पूर्व विधायक को पत्नी कमलेश भड़ाना की ओर से दर्ज कराए गए मुकदमे की जांच के बाद चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान भगमल, सोनीराम, शेर सिंह और कुंवर सिंह के रूप में हुई है। पुलिस अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए

लगातार दबिश दे रही है। सीओ नीरज भारद्वाज के अनुसार, मामले से जुड़े तथ्यों की जांच की जा रही है।

कमलेश भड़ाना की ओर से दर्ज रिपोर्ट के अनुसार, रविवार शाम करीब 7 बजे भौड़ा गांव स्थित खनन पट्टे पर लगभग 80 लोग पहुंचे। आरोप है कि वहां पहुंचते ही उन्होंने फायरिंग शुरू कर दी और पूर्व विधायक अतर सिंह भड़ाना को घेरकर लाठी-डंडों और सरियों से हमला किया। रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है कि पूर्व विधायक को बचाने के लिए आगे आए कर्मचारियों और सुरक्षा गार्डों के साथ भी मारपीट की गई। घटनास्थल पर कार्यालय और कमरों में आग लगाने तथा क्रशर मशीनों में तोड़फोड़ करने के आरोप भी लगाए गए हैं। कमलेश भड़ाना ने शिकायत में

बताया कि उन्होंने अपने पति को हमलावरों से बचाने का प्रयास किया, लेकिन इस दौरान उनके साथ भी मारपीट की गई। रिपोर्ट में खनन पट्टे पर अफरा-तफरी मचने और कर्मचारियों तथा सुरक्षा गार्डों को निशाना बनाए जाने का भी उल्लेख किया गया है। इस मामले में शिकायत के आधार पर करीब 32 लोगों को नामजद किए जाने की जानकारी सामने आई है। पुलिस ने पहले पूछताछ करने की बात कही थी। अब चार आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद पुलिस घटना में शामिल अन्य लोगों की पहचान और उनकी भूमिका की जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि अनुसंधान के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पिकअप की टक्कर से वृद्ध की मौत

जोधपुर, (कासं)। निकटवर्ती मथनिया स्थित भैंसर कोतवाली में सड़क हादसे में पिकअप चालक को लापरवाही से वृद्ध की मौत हो गई। मृतक के पुत्र ने इस बारे में मथनिया थाने में रिपोर्ट दी। शव को कार्रवाई कर परिजन के सुपुर्द किया गया है।

मथनिया पुलिस ने बताया कि

भैंसर कोतवाली निवासी हुकमराम जाट की तरफ से रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि उसके पिता दुर्गाराम जाट अपनी बाइक लेकर गांव की सरहद से निकल रहे थे। तब एक पिकअप के चालक ने टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर रूप से घायल होने पर अस्पताल में भर्ती कराया, बाद में उनकी मौत हो गई। पुलिस ने

पिकअप चालक को नामजद कर तलाश आरंभ की है। वहीं मिनवां सेंटर के बाहर पार्किंग से बाइक चोरी हो गई। इस बारे में अत्रासागर मगरा पुंजला निवासी लक्की चौहान पुत्र कानसिंह की तरफ से उद्यममंदिर थाने बाइक चोरी की रिपोर्ट दी गई। वह 10 अक्टूबर को बाइक लेकर वहां आया था।

‘चिकित्सा क्षेत्र सहित मानव जीवन के विभिन्न पहलुओं को प्रभावित करेगा एआई’

जोधपुर में एसएन मेडिकल कॉलेज में ‘एआई इनोवेशन मेडिकल हैकाथॉन’ का शुभारंभ हुआ

- तकनीक जिस तेजी से विकसित हो रही है, उससे आने वाले समय में चिकित्सा क्षेत्र में भी व्यापक बदलाव देखने को मिलेंगे : केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत**

क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को भी मिले। कार्यक्रम में मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. बीएस जोधा, अतिरिक्त प्राचार्य डॉ. फतेह सिंह भाटी सहित अनेक गणमान्य जन उपस्थित रहे। केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि मानव सभ्यता के विकास में अग्न की खोज और खेती की शुरुआत ने बड़े बदलाव किए। हजारों वर्षों में हुए परिवर्तनों की तुलना में पिछली एक शताब्दी में अधिक बदलाव देखने को मिले वहीं, पिछले दस वर्षों में तकनीकी विकास की गति और तेज हुई है। आने वाले पांच वर्षों में यह बदलाव और व्यापक हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि कंप्यूटर, इंटरनेट और मोबाइल फोन के आगमन के समय भी रोजगार पर इन्के प्रभाव को लेकर चर्चाएं हुई थीं। इन तकनीकों ने मानव क्षमताओं को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसी तरह एआई भी काम करने के तरीकों और

मानव जीवन को प्रभावित करेगा।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि चिकित्सा क्षेत्र में एआई के इस्तेमाल से डेटा का विश्लेषण करने और उसका उपयोग करने की क्षमता बढ़ सकती है। डॉक्टर बनने के लिए वर्षों तक शिक्षा, प्रशिक्षण और रोजिंदसी के दौरान ज्ञान अर्जित करना पड़ता है। इसके विपरीत, एआई बहुत कम समय में बड़ी मात्रा में डेटा का विश्लेषण कर सकता है। इससे चिकित्सा क्षेत्र में नई संभावनाएं पैदा होंगी। उन्होंने कहा कि इस तकनीक का उपयोग किस तरह मरीजों के लिए बेहतर और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने में किया जा सकता है, इस पर विचार करना जरूरी है।

शेखावत ने एलन मस्क के एक साक्षात्कार का उल्लेख करते हुए कहा कि भविष्य में तकनीकी विकास मानव जीवन की बुनियादी जरूरतों और

आर्थिक व्यवस्था को भी प्रभावित कर सकता है, इसलिए तकनीक के विकास के साथ यह सुनिश्चित करना होगा कि उसका उपयोग लोगों के जीवन को अधिक सुविधाजनक बनाने में हो। उन्होंने कहा कि एआई के साथ क्वांटम कंप्यूटिंग का विकास भी भविष्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इससे ऐसी जटिल समस्याओं के समाधान की संभावनाएं बढ़ेंगी, जिन्हें पारंपरिक कंप्यूटिंग के जरिए हल करना कठिन है। उन्होंने कहा कि क्वांटम कंप्यूटिंग के क्षेत्र में भारत अभी 60 क्यूबिट के स्तर पर काम कर रहा है, जबकि उनके अनुसार चीन 250 से 300 क्यूबिट तक पहुंच चुका है। दुनिया का लक्ष्य अगले तीन से चार वर्षों में एक हजार क्यूबिट तक पहुंचना है। केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि भारत को अपनी जरूरतों के अनुरूप तकनीक के इस्तेमाल पर विचार करना होगा। तकनीकी नवाचार का उद्देश्य केवल नई क्षमताएं विकसित करना नहीं, अपितु यह सुनिश्चित करना भी होना चाहिए कि उनका लाभ दूरदर्शज के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों तक पहुंचे।

खेतड़ी उपखंड के मोड़ी गांव में आबादी क्षेत्र तक पहुंचा ‘हाइना’

- त्‍योदा ग्राम पंचायत की ढाणी जोरावर सिंह में भी एक हाइना घर के अंदर घुस गया, मोड़ी गांव में वन विभाग ने ‘हाइना’ को रेस्क्यू कर बांसियाल अभयारण्य में छोड़ा**

वन्यजीव को बांसियाल वन्यजीव अभयारण्य में छोड़ दिया गया। वहीं खेतड़ी उपखंड की त्योंदा ग्राम पंचायत की ढाणी जोरावर सिंह में भी हाइना की मौजूदगी से परिवार में हलचल मच गई। ढाणी निवासी महेश सिंह ने बताया कि रात के समय एक हाइना उनके घर में घुस गया। वन्यजीव की आवाज सुनकर परिजन जाग गए और शोर मचाकर उसे घर से बाहर निकाल दिया। रात में बारिश का मौसम होने के कारण परिवार ने अपने अधिकांश वन्यजीव को घर के अंदर बांध रखा था। ऐसे में हाइना के घर में घुसने से बड़ी घटना की आशंका पैदा हो गई थी, लेकिन समय रहते परिजनों के जगने और सतर्कता बरतने से कोई नुकसान नहीं

हुआ। ग्रामीणों ने बांसियाल वन्यजीव अभयारण्य की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि राज्य सरकार ने खेतड़ी-बांसियाल क्षेत्र को रिजर्व कंजर्वेशन घोषित कर रखा है, जहां अनेक जंगली जानवर लाकर छोड़े गए हैं। इसके बावजूद वन्यजीवों को कंजर्वेशन क्षेत्र में रोकने के लिए पर्याप्त इंजांम नहीं होने से वे आबादी क्षेत्रों तक पहुंच रहे हैं। ग्रामीणों के अनुसार, कंजर्वेशन क्षेत्र के चारों ओर मात्र चार फीट ऊंची दीवार बनी हुई है। कम ऊंचाई के कारण जंगली जानवर आसानी से बाहर निकलकर गांवों में पहुंच जाते हैं। इससे ग्रामीणों के साथ ही उनके मवेशियों की सुरक्षा पर भी खतरा बना रहता है।

झुंझुनूं में बड़ी वारदात की फिराक में था कपिल पंडित का गिरोह, साथी भी गिरफ्तार

- हथियारों के साथ पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ में नाम सामने आया था**

वीडियो वायरल कर लोगों में दहशत फैलाने का काम करता था। पुलिस अब आरोपी से हथियारों के संबंध में गहनता से पूछताछ कर रही है।

सिंघाना थानाधिकारी सुगन सिंह ने बताया कि आगामी पंचायतीराज चुनावों को देखते हुए वांछित अपराधियों की

धरपकड़, बदमाशों की निगरानी और अवैध हथियारों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत रविवार को सिंघाना पुलिस और डीएसटी का क्रिय सार्थी है। पुलिस अब आरोपी से हथियारों की उपलब्धता और उनसे जुड़े अन्य पहलुओं के संबंध में पूछताछ कर रही है।

ग्राम पंचायत प्रशासक पद से इस्तीफा देकर पंचायत चुनाव लड़ सकेंगे

कोटपूतली। ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज विभाग, राजस्थान, जयपुर द्वारा जारी आदेशों के क्रम में ग्राम पंचायतों में पूर्व में नियुक्त प्रशासकों के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। जिला कलेक्टर अपर्णा गुप्ता ने बताया कि ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज विभाग की अधिसूचनाओं के तहत ग्राम पंचायतों में पूर्व में निर्वाचित सरपंचों का कार्यकाल समाप्त होने के बाद प्रशासनिक व्यवस्था के तहत प्रशासक नियुक्त किए गए थे। राज्य निर्वाचन आयोग, राजस्थान, जयपुर द्वारा 3 अक्टूबर 2026 को घोषित कार्यक्रम के अनुसार पंचायतीराज संस्थाओं के आम चुनाव-2026 की प्रक्रिया प्रस्तावित है।उन्होंने बताया कि ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज विभाग, जयपुर के आदेश दिनांक 31 अगस्त 2026 के अनुसार यदि कोई प्रशासक स्वेच्छा से अपने पद से इस्तीफा देता है, तो ऐसे मामलों में संबंधित जिला कलेक्टर को इस्तीफा स्वीकार करता है।

कोटपूतली में विधिक जागरूकता शिविर संपन्न

कोटपूतली। भावी पीढ़ी को कानून जागरूक और जिम्मेदार नागरिक बनाने के उद्देश्य से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वाधान में कस्बे के शक्ति विहार स्थित शिव सरस्वती स्कूल में एक दिवसीय विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि अतिरिक्त शिविल मजिस्ट्रेट ने विद्यार्थियों से सीधा संवाद किया। उन्होंने कहा कि युवाओं को ना केवल अपने मौलिक अधिकारों के प्रति सजग रहना चाहिए, बल्कि देश के प्रति अपने कर्तव्यों का भी जिम्मेदारी से निर्वहन करना चाहिए। उन्होंने बच्चों को मानवीय मूल्यों को आत्मसात करने की सीख दी और निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम के बारे में विस्तार से जानकारी दी। पैरालीलग वालंटियर प्रिया सैनी ने विद्यार्थियों को सुरक्षा और न्याय से जुड़े महत्वपूर्ण कानूनी प्रावधानों से अवगत

सवाई माधोपुर में रोड लाइट व सीवरेज समस्या के समाधान की मांग

सवाई माधोपुर। आगामी दीपावली पर्व को देखते हुए शहर के वार्डों में व्याप्त समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर कांग्रेस पार्षद विनोद जैन के नेतृत्व में पार्षदों एवं पार्षद प्रतिनिधियों ने नगर परिषद आयुक्त से मुलाकात

■ प्रतिनिधिमंडल ने वार्डों में रोड लाइट, सीवरेज और सफाई व्यवस्था से जुड़ी समस्याओं से अवगत कराया

की। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने वार्डों में रोड लाइट, सीवरेज और सफाई व्यवस्था से जुड़ी समस्याओं से अवगत कराते हुए दीपावली से पहले समाधान करवाने की मांग की। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि शहर के विभिन्न वार्डों में रोड लाइटों की



कांग्रेस पार्षद विनोद जैन के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने नगर परिषद आयुक्त से की मुलाकात, बोर्ड बैठक बुलाकर विकास कार्य करवाने की मांग की।

समस्या के कारण लोगों को परेशानी हो रही है। वहीं, सीवरेज की समस्या से भी वार्डवासी प्रभावित है। ऐसे में दीपावली पर्व से पहले वार्डों में विशेष सफाई अभियान चलाया जाए, ताकि शहर में स्वच्छता बनी रहे और आमजन को राहत मिल सके। इसके साथ ही पार्षदों

ने वार्डों के विकास कार्यों को गति देने के लिए नगर परिषद की बोर्ड बैठक आयोजित करवाने की मांग भी रखी। उन्होंने कहा कि वार्डों में आवश्यक विकास कार्य करवाए जाने चाहिए, जिससे स्थानीय निवासियों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हो सकें।

इस दौरान सलेन्द्र चौधरी, किशोर सिंह, सिराज खान, आवेश सोदागर, सुनील महावर, राजेश कंवरिया, गोकुल बैरवा, दिनेश, अजय, जितेंद्र परिडवाल, अजय कुमार, विजय जौलिया सहित अन्य पार्षद एवं पार्षद प्रतिनिधि मौजूद रहे।

किशनगढ़ बास और तिजारा में कलेक्टर ने मतदान केन्द्रों का निरीक्षण किया

किशनगढ़ बास। पंचायती राज चुनाव 2026 को लेकर जिला निर्वाचन अधिकारी अतुल प्रकाश ने मंगलवार को किशनगढ़ बास एवं तिजारा पंचायत समिति क्षेत्र का सघन दौरा कर मतदान केन्द्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने मतदान केन्द्रों पर उपलब्ध व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए अधिकारियों को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित मतदान के लिए सभी आवश्यक तैयारियां समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए।



मतदान केंद्र का अवलोकन करते जिला निर्वाचन अधिकारी व जिला कलेक्टर अतुल प्रकाश।

निरीक्षण के दौरान उपखंड अधिकारी किशनगढ़ बास सत्यवीर सिंह सहित संबंधित अधिकारी एवं बूथ लेवल अधिकारी मौजूद रहे। जिला निर्वाचन अधिकारी ने किशनगढ़बास क्षेत्र में स्थापित राजकीय विद्यालय धमुकड़, बाघोड़ा, मिर्जापुर तथा तिजारा के राजकीय विद्यालय जैरोली,

आवश्यकतानुसार पर्याप्त रोशनी सुनिश्चित करने के लिए अतिरिक्त लाइट लगवाने के निर्देश दिए। साथ ही प्रत्येक मतदान केन्द्र पर पेयजल, विद्युत, रैम, शौचालय सहित सभी आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने शांतिपूर्ण मतदान के

■ संवेदनशील एवं अतिसंवेदनशील मतदान केन्द्रों पर सुरक्षा एवं मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए

लिए आवश्यक तैयारियां समय रहते पूरी करने पर जोर दिया। निरीक्षण के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी ने राजकीय विद्यालय में विद्यार्थियों से संवाद किया। उन्होंने विद्यार्थियों को पाठ पढ़ाया तथा गणित से संबंधित प्रश्न पूछकर उनके शैक्षणिक स्तर का जायजा लिया। उन्होंने विद्यालय के कार्मिकों से शैक्षणिक गतिविधियों एवं विद्यालय संचालन के संबंध में जानकारी प्राप्त की और व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए निर्देश दिए।

‘कड़ी मेहनत करके भविष्य का निर्माण करें’

निवाई। रानी लक्ष्मीबाई कन्या महाविद्यालय में फ्रेशर एवं फेयरवेल पार्टी का समारोह पूर्वक आयोजन किया गया। समारोह का शुभारंभ संस्था अध्यक्ष ओमप्रकाश गुप्ता, सचिव बलरामकृष्ण शर्मा एवं प्रचार सचिव हनुमन्त इश्रितयाक द्वारा मीं सरस्वती के चित्र के सम्पक्ष दीप प्रज्वलित करके किया गया। संस्था अध्यक्ष ओमप्रकाश गुप्ता ने कहा कि वर्तमान में छात्राएं राजनीतिक व सामाजिक क्षेत्र सहित सरकारी व गैर सरकारी क्षेत्र में उच्च पदों पर आसीन होकर राष्ट्र के निर्माण में भागीदारी निभाते हुए विषय में अपना परचम लहरा रही हैं। उन्होंने कहा कि आज का युग प्रतिस्पर्धा का है। जिसके लिए कड़ी मेहनत करके भविष्य का निर्माण करें। उन्होंने महाविद्यालय संचालकों के सराहनीय कार्य को लेकर कहा कि महाविद्यालय के शिक्षकों ने छात्राओं को शिक्षा के साथ-साथ संस्कार भी दिए हैं। संस्था सचिव बलरामकृष्ण शर्मा ने छात्राओं को विश्व प्रसिद्ध मोटिवेशनल स्पीकर किंक वुजिचिक का उदाहरण देते हुए बताया कि किस प्रकार अभावों के बावजूद भी संघर्ष करके सफलता प्राप्त की जा सकती है। प्राचार्य ने कहा कि छात्राएं आगे भी विश्वविद्यालय परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन करें।

खैरथल: होटल में सड़ा पनीर और सड़ी सब्जियां को मौके पर नष्ट कराया

खैरथल। दीपावली से पहले आमजन को शुद्ध और सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के लिए न्यायपालिका के नेतृत्व में गठित टीम ने मिलावटखोरों को नींद उड़ा दी है। मंगलवार को राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के दिशा-निर्देश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष व जिला एवं सत्र न्यायाधीश शैलेन्द्र व्यास के मार्गदर्शन में डीएलएसए सचिव एवं



खैरथल में मिठाई की दुकान पर लाइसेंस की जांच करते डीएलएसए सचिव अजीत कुंड़ी।

ही सीज करने की कार्रवाई ने हड़कंप मचा दिया।

कार्रवाई के दौरान संयुक्त टीम में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अरविंद गेट, जिला खाद्य सुरक्षा अधिकारी हेमंत कुमार यादव सहित संबंधित विभागों के अधिकारी, प्राधिकरण के पैरा लीगल वालंटियर्स और पुलिस जापा मौजूद रहा। उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों न्यायिक अधिकारी ने किशनगढ़-खैरथल रोड पर नियमों का उल्लंघन कर बिना लाइसेंस संचालित हो रहे ढाबे को भी बंद कराया था।

मंगलवार को खैरथल मेंटीम ने हेमू कालानी चौक स्थित विजय डेयरी, संजय डेयरी, लखन होटल, गोपाल

स्वीट्स, गोपाल दूध डेयरी, रोहित जूस सेंटर, आनंद डेयरी, राहुल रोचवानी जूस सेंटर और खालसा मीट शॉप का सघन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विजय डेयरी, संजय डेयरी और गोपाल दूध डेयरी से भी एवं पनीर के नमूने लिए गए। वहीं आनंद डेयरी और गोपाल स्वीट्स से मिल्क केक, लड्डू, डोडा बर्फ, रसगुल्ला, गुलाब जामुन और पनीर के सैपल संग्रहित किए गए। इन नमूनों की जांच के आधार पर खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता का आकलन किया जाएगा।

इसके साथ हीलखन होटल में निरीक्षण के दौरान गंदा पनीर, दूधित अवस्था में रखी सब्जियां और खराब लाल मिर्च मिलने पर अधिकारियों ने उसे मौके पर ही नष्ट करवाया।

पावटा में शोभायात्रा निकली

पावटा। अग्रकुल के प्रवर्तक भगवान अग्रसेन का 5150 वं जन्मोत्सव का शुभारंभ हुआ। अग्रवाल समाज संपत्ति ट्रस्ट, अग्रवाल महासभा पावटा के तत्वाधान में अग्रसेन जन्मोत्सव-2026 के तहत कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 5:00 बजे भव्य प्रभात फेरी के साथ हुआ। इसके पश्चात दोपहर 2 कक्षा स्थित मोदी मंदिर से पूजा अर्चना कर शोभायात्रा प्रारंभ हुई। शोभायात्रा में गाजे-बाजे, डीजे की धुनों एवं आतिशबाजी के बीच समाजबंधुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। नगर में जगह-जगह शोभायात्रा का पुष्पवर्षा एवं स्वागत-सत्कार कर अभिनंदन किया गया। जिसमें भाजपा राष्ट्रीय सह-

■ कार्यक्रम के दौरान समाज के सभी प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया

माता का विभिन्न रूप धरा कर शोभायात्रा में शामिल हुई। समाज के वरिष्ठ सदस्य परंपरागत पगड़ी पहनकर शोभायात्रा की भव्यता बढ़ा रहे थे। सायं 7 बजे आदर्श विद्या मंदिर में भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाज के संरक्षक वीरेंद्र जी बंसल एवं अध्यक्ष बलदेव जी गोयल ने की। सांस्कृतिक कार्यक्रम में जयपुर की कुष्णा तिलकधारी पार्टी द्वारा शानदार प्रस्तुतियां दी गईं, जिन्होंने उपस्थित दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम के दौरान समाज के सभी प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। इस पहल के माध्यम से विद्यार्थियों को शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ने तथा अपने परिवार एवं समाज का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया। समारोह को भव्य बनाने में समाज के उपाध्यक्ष पंकज जिंदल, महामंत्री यतीश बंसल एवं कोषाध्यक्ष अमित पंसारी सहित समस्त कार्यकारिणी सदस्यों एवं समाजबंधुओं ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

“सुरक्षित स्थान, जहां सपनों को पंख मिलते हैं” विषय पर जागरूकता शिविर

सवाई माधोपुर। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सवाई माधोपुर के तत्वावधान में ट्रांसफॉर्मेटिव टय्यूजडे के अवसर पर सवाई माधोपुर न्याय क्षेत्र के न्यायिक अधिकारियों एवं पैनल अधिवक्ताओं द्वारा ‘सुरक्षित स्थान, जहां सपनों को पंख मिलते हैं’ विषय पर जागरूकता शिविरों का आयोजन किया गया। जिसमें लगभग 3050 विद्यार्थियों को जागरूक किया गया। जिला मुख्यालय सवाई माधोपुर पर जिला एवं सेशन न्यायाधीश सवाई माधोपुर अनु अग्रवाल द्वारा महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय साहनुगर में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इसके अतिरिक्त जिला मुख्यालय सवाई माधोपुर सहित तालुका गंगापुर सिटी, खाडपर, बैली, चौक का बरवाड़ा के न्यायिक अधिकारियों एवं पैनल अधिवक्ताओं द्वारा जिले के विभिन्न विद्यालयों में जागरूकता शिविरों का आयोजन कर विद्यार्थियों को निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 की धारा 19 के

■ विद्यार्थियों को निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार व अधिनियम के अंतर्गत बच्चों को प्राप्त अधिकारों के बारे में जानकारी दी

प्रावधानों तथा अधिनियम के अंतर्गत बच्चों को प्राप्त अधिकारों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही आरटीई अधिनियम के महत्व, विद्यालयों में आवश्यक आधारभूत संरचना, सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक वातावरण की आवश्यकता तथा विद्यालयों में सुरक्षा मानकों की पालना के संबंध में जागरूक किया गया। विद्यार्थियों को असुरक्षित विद्यालयी भवनों एवं आधारभूत संरचना से उत्पन्न होने वाले जोखिम, खतरनाक परिस्थितियों के चेतावनी संकेतों तथा ऐसी परिस्थितियों के कारण बच्चों एवं उनके परिवारों पर पड़ने वाले संभावित प्रभावों के बारे में भी बताया गया।

कांग्रेस ने अलवर जिला परिषद सदस्यों के प्रत्याशियों की सूची जारी की

अलवर। कांग्रेस ने अलवर जिला परिषद सदस्यों के प्रत्याशियों की सूची जारी कर दी है। कांग्रेस ने एक बार में ही सभी 39 उम्मीदवारों की लिस्ट दी है। खास बात यह है कि थानागाजी से विधायक कांती मीणा के परिवार से किसी को टिकट नहीं दिया गया।

■ थानागाजी विधायक के परिवार को टिकट नहीं मिला, विधानसभा में बागी बने राहुल मीणा की पत्नी को टिकट

पिछली बार कांग्रेस से पार्षद का चुनाव लड़कर उपजिला प्रमुख बनी ललिता मीना को वार्ड 12 से टिकट दिया है। पिछले विधानसभा चुनाव में राजगढ़ लक्ष्मणगढ़ से बागी होकर निर्दलीय चुनाव लड़ने वाले राहुल मीणा की पत्नी अनीता को वार्ड 16 से मैदान में उतारा है। वार्ड 21 से पूर्व सरपंच पप्पू मीणा की पुत्रवधु



अलवर में कांग्रेस प्रत्याशियों ने नामांकन दाखिल किया।

एकता मीणा को टिकट दिया है। वहीं वार्ड 7 से सुनीता देवी पत्नी हरकिशन को चुनाव लड़ाया है। हरकिशन भी सरपंच रह चुके हैं। कांग्रेस लिस्ट के अनुसार वार्ड एक से सावत्री, वार्ड दो से मंजू गुर्जर, तीन से धारा सिंह, चार से फरमीना, पांच से कुलसुम, छह से सीमा गुर्जर, सात से सुनिता देवी, आठ से बसंती देवी, नौ से

श्याम लाल, दस से भोला राम गुर्जर, 11 से रामेश्वर दयाल मीणा 12 से ललिता मीणा, 13 से बिमला वर्मा, 14 रमेश चंद रैगर, 15 से केदार सैनी, 16 से अनीता मीणा, 17 बबीता खण्डेलवाल, 18 से नीतू, 19 से शिव सहाय मीणा, 20 से सुमन गम्बर, 21 से एकता मीणा, 22 सद्दाम हुसेन, 23 अर्पिता

चौधरी, 24 से जमील खां, 25 मगन चंद मीणा, 26 शब्बो, 27 जीतन कुमारी, 28 विमलेश, 29 मनीषा देवी, 30 से लक्ष्मी सिंह, 31 बबीता मीणा, 32 से अर्जुन कांत, 33 से साहिता, 34 से श्रमती माया, 35 ताहिर खान, 36 जिलसाना, 37 मीरा देवी, 38 ज्योति वर्मा और 39 नसरु खान शामिल है।

सार-समाचार

सांभर की प्रियांशु जादौन व निहारिका जोशी ने रजत पदक जीता



सांभरझील, (निसं)। राजस्थान विश्वविद्यालय अंतर महाविद्यालय वेटलिफ्टिंग (महिला) प्रतियोगिता में राजकीय शाकंभर स्नातकोत्तर महाविद्यालय की छात्राओं ने आर.एल.एस. राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कालांडेरा में आयोजित प्रतियोगिता में भाग लिया एवं महाविद्यालय की छात्रा प्रियांशु जादौन और निहारिका जोशी ने सिल्वर मेडल एवं अलविदा चौधरी और लक्षिता कुमावत ने ब्रॉन्ज मेडल प्राप्त कर महाविद्यालय का नाम रोशन किया। उक्त अवसर पर महाविद्यालय के कार्यवाहक प्राचार्य प्रोफेसर (डॉ.) महेश कुमार पालीवाल क्रीडा समिति के सदस्य डॉ. ऋतु शर्मा, सुनीता चौधरी, ममता मीणा, महेश कुमार जाखड ने उनका उत्साहवर्धन किया। डॉ. सुनेन्द्र सिंह राठौड़, शारीरिक प्रशिक्षण अनुदेशक ने भी खिलाड़ियों को आगे भी ऐसे ही खेल प्रतियोगिताओं में सहभागिता करने का आह्वान किया एवं टीम का मार्गदर्शन किया।

राकेश टांडी व राम खिलाड़ी ब्लॉक अध्यक्ष बने



निवाई। शिक्षक संघ एलीमेंट्री सेकेंडरी टीचर एसोसिएशन (रेसटा) राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष मोहरसिंह सलावद की सहमति से जिलाध्यक्ष देवेंद्रप्रताप जाट ने कार्यकारणी का विस्तार करते हुए वरिष्ठ अध्यापक रामखिलाड़ी मीणा को देवली एवं अध्यापक

राकेश कुमार टांडी को मालपुरा के ब्लॉक अध्यक्ष के पद पर नियुक्त किया है। जिलाध्यक्ष जाट ने नवनि्युक्त दोनों ब्लॉक अध्यक्षों को शीघ्र ही ब्लॉक कार्यकारिणी का गठन कर संगठन को मजबूत बनाने के निर्देश दिए।

भाजपा ने चौमूं के 25 वार्डों के प्रत्याशियों की सूची जारी की

चौमूं / कालांडेरा। भारतीय जनता पार्टी, जयपुर देहात (उत्तर) ने पंचायत समिति चौमूं व गोविन्दगढ़ -2026 के लिए मंगलवार को प्रत्याशियों की सूची जारी की है। भारतीय जनता पार्टी ने पंचायत समिति गोविन्दगढ़ के 19 वार्डों के लिए प्रत्याशियों की सूची वार्ड नं. 1 सपना चाहर, वार्ड नं. 2 सन्तरा कुमारी, वार्ड नं. 3 अनील निटारवाल, वार्ड नं. 4 संतोष यादव, वार्ड नं. 5 रामेश्वर प्रसाद मेहरा, वार्ड नं. 6 प्रहलाद सहाय मीणा, वार्ड नं. 7 बहादुर सिंह यादव, वार्ड नं. 8 मोहन लाल देवना, वार्ड नं. 9 उर्मिला कुमावत, वार्ड नं. 10 हनुमान सहाय, वार्ड नं. 11 जितेन्द्र कुमार शर्मा, वार्ड नं. 12 मीनाक्षी यादव, वार्ड नं. 13 विमला देवी, वार्ड नं. 14 खामाराम यादव, वार्ड नं. 15 सुनीता यादव, वार्ड नं. 16 रामावतार जाट, वार्ड नं. 17 किरण कंवर, वार्ड नं. 18 जितेन्द्र कुमार बुनकर, वार्ड नं. 19 लाली देवी को प्रत्याशी बनाया है। वहीं चौमूं पंचायत समिति के 25 वार्डों के प्रत्याशियों की सूची भी भारतीय जनता पार्टी के द्वारा जारी कि गई है। जिसमें वार्ड 1 सुशीला देवी, वार्ड 2 भगवती देवी मीणा, वार्ड 3 रामगोपाल मीणा, वार्ड 4 बाबूलाल यादव, वार्ड 5 ओमप्रकाश यादव, वार्ड 6 सुभाष बुनकर, वार्ड 7 कैलाश यादव, वार्ड 8 सुमन सैनी, वार्ड 9 कमला देवी, वार्ड 10 दयाल चन्द सैनी वार्ड 11 माया देवी, वार्ड 12 राजू देवी, वार्ड 13 सौरभ मल जाट, वार्ड 14 ज्योति शर्मा, वार्ड 15 पूजा झाड़ा, वार्ड 16 प्रकाश हादवाल, वार्ड 17 बाबूलाल सिंगोदिया, वार्ड 18 मंजू देवी, वार्ड 19 शुभम सेरावत, वार्ड 20 बुद्धिप्रकाश दीक्षित, वार्ड 21 रानू कुमावत, वार्ड 22 मुकेश कुमार कुमावत, वार्ड 23 सोहनी देवी, वार्ड 24 पंकज कुमार नागर, वार्ड 25 आंची यादव को प्रत्याशी बनाया है।

बद्रीनाथ मंदिर में शारदीय नवरात्र पर धार्मिक नाटक का मंचन कल

जयपुर। श्री आदि गौड ब्राह्मण मूर्ति कलाकार संस्था, जयपुर की ओर से शारदीय नवरात्र के पवन अवसर पर गुरुवार को भव्य धार्मिक नाटक का मंचन किया जाएगा। यह आयोजन आमेर स्थित प्राचीन श्री बद्रीनाथ जी मंदिर परिसर में रात्रि 8:30 बजे से होगा। संस्था की ओर से जारी प्रेस विज्ञाप के अनुसार, नवरात्र की पंचमी तिथि की रात्रि में ब्रज कला संस्थान, हाथरस मंडली द्वारा भक्तिमय नाटक का मंचन किया जाएगा। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के हाथरस की रानी एंड पार्टी के कलाकार अपनी प्रस्तुति देंगे। हाथरस शैली के नाटक मंचन की परंपरा वर्ष 1964 से चली आ रही है। संस्था के पदाधिकारियों के अनुसार, आमेर और जयपुर के विभिन्न मंदिरों एवं स्थानों पर अब तक 30 से अधिक नाटकों का मंचन किया जा चुका है। इन आयोजनों का उद्देश्य धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं को जीवित रखना और नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति से जोड़ना है। संस्था के अध्यक्ष पं. महेंद्र कुमार शर्मा (टीलावत), मंत्री पं. सत्यप्रकाश नागा एवं कोषाध्यक्ष पं. नरेंद्र शर्मा सहित समस्त कार्यकारिणी ने श्रद्धालुओं और धर्मप्रेमी नागरिकों से कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है।

जसवंत प्रदर्शनी एवं पशु मेला कल से शुरू

भरतपुर। भरतपुर की ऐतिहासिक जसवंत प्रदर्शनी एवं पशु मेला-2026 का विधिवत शुभारंभ 15 अक्टूबर को जिला कलेक्टर द्वारा किया जाएगा। मेले की शुरुआत झंडा पूजन और झंडारोहन के साथ होगी। इस बार मेले को भव्य रूप देने के लिए आयोजन का बजट पिछले वर्ष की तुलना में बढ़ाकर करीब 40 लाख रुपये अधिक स्वीकृत किया गया है। वहीं, दुकानों और प्लॉटों के आवंटन के लिए ए अक्टूबर से नीलामी प्रक्रिया शुरू की गई, जिसमें पिछले वर्षों की तुलना में बेहतर राजस्व मिलने की जानकारी मेला अधिकारी डॉ. अरविंद चौधरी ने दी। जसवंत प्रदर्शनी एवं पशु मेले में भरतपुर का पारंपरिक कुश्ती दंगल प्रमुख आकर्षण रहेगा। ग्रामीण क्षेत्रों में कुश्ती को लेकर खासा उत्साह रहता है। इसी को देखते हुए इस बार दंगल का बजट बढ़ाया गया है और विभिन्न श्रेणियों में नकद पुरस्कार राशि में भी बढ़ोतरी की गई है। स्थानीय पहलवानों के साथ बाहर से आने वाले पहलवानों की भी प्रतियोगिताओं में भाग लेने का अवसर मिलेगा। बाहर से आने वाले पहलवानों के उद्देश्य को ध्यान में रखा जाएगा। मेले में लोगों के मनोरंजन के लिए विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इनमें ढोला, नौटंकी, स्थानीय कवि सम्मेलन और अखिल भारतीय कवि सम्मेलन प्रमुख रूप से शामिल हैं। अखिल भारतीय कवि सम्मेलन में करीब 20 कवियों के भाग लेने की जानकारी दी गई है। इसके अलावा स्थानीय और क्षेत्रीय प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से क्षेत्रीय कवि सम्मेलन भी आयोजित किया जाएगा।

पालड़ी तिराहे पर दुकान का ताला तोड़कर चोरी का प्रयास

पावटा। विराटनगर थाना क्षेत्र के पालड़ी तिराहे पर बीती रात अज्ञात चोरों ने चाय-पानी की दुकान का ताला तोड़कर चोरी का प्रयास किया। गनीमत रही कि दुकान से सामान चोरी नहीं हुआ। घटना के बाद क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता बढ़ गई है। वहीं, रात्रि गश्त की प्रभाव शीलता पर भी सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय स्तर पर सामने आई इस घटना ने बाजारों और प्रमुख तिराहों पर दुकानों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। व्यापारियों और क्षेत्रवासियों का कहना है कि रात के समय पुलिस की गश्त प्रभावी होनी चाहिए, ताकि असामाजिक तत्वों पर अंकुश लगाया जा सके और चोरी जैसी घटनाओं को रोका जा सके। क्षेत्रवासियों ने पुलिस प्रशासन से रात्रि गश्त नियमित और प्रभावी बनाने, संवेदनशील स्थानों पर निगरानी बढ़ाने तथा चोरी के प्रयास में शामिल अज्ञात लोगों का पता लगाने की मांग की है। अब देखा होगा कि पुलिस इस घटना को लेकर क्या कार्रवाई करती है और क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के लिए क्या कदम उठाए जाते हैं।

